ब्रिटेन रवाना होने पर अभिवादन करते हुए मोदी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

बम-बम भोले की गूंज के साथ कांवड़ यात्रा समाप्त, 15 दिनों में 4.5 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे हरिद्वार

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 211 | रायपुर | गुरूवार 24 जुलाई 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

मानसून सत्र के तीसरे दिन भी नहीं चर्चा

विपक्षी हंगामे से लोकसभा की कार्यवाही हुई स्थगित

नई दिल्ली एजेंसी - मानसून सत्र के तीसरे दिन की शुरुआत निचले सदन में भारी हंगामे के साथ हुई है। विपक्ष के सदस्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर चर्चा के लिए अड़ गए। परिणामस्वरूप, लोकसभा की कार्यवाही लगातार बाधित रही। संसद में विपक्ष के हंगामे के कारण बुधवार को प्रश्नकाल नहीं चल सका। स्पीकर ओम बिरला की तरफ से विपक्ष के सदस्यों को समझाने की कोशिश की गई। हंगामा बरकरार रहने पर लोकसभा स्पीकर ने कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, INDIA ब्लॉक 'हुल्लड़' ब्लॉक बन गया है। संसद के बाहर वे कहते हैं कि चर्चा होनी चाहिए, लेकिन वे सदन में बहस से भाग रहे हैं। कल मैंने हाथ जोड़कर विपक्ष से चर्चा होने देने की अपील की थी, लेकिन वे

हंगामा करते रहे। सदन की कार्यवाही स्थगित होने पर विपक्षी दलों के सदस्यों ने संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। बैनर-पोस्टर लेकर विपक्षी दलों के सदस्य संसद परिसर के मकर द्वार पर एकजुट हुए और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान एसआईआर मुद्दे पर नारेबाजी की गई।

विपक्ष गुमराह करने की कोशिश करता है

बिहार में SIR के खिलाफ विपक्षी सांसदों के विरोध पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, यह मेरी समझ से परे है कि जब सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, तो कम से कम संसद तो चलने दें। विपक्ष हमेशा लोगों को गुमराह करने की कोशिश करता है।

लोकमान्य तिलक ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी : पीएम

नई दिल्ली - स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक और समाज सुधारक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती पर देश के प्रमुख नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर तिलक के योगदान को याद किया और उनके विचारों को देश के लिए प्रेरणादायक बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि लोकमान्य तिलक एक अग्रणी नेता थे, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। वे एक महान विचारक थे, जो ज्ञान और सेवा में विश्वास रखते थे।

पीएम ने लिखा, लोकमान्य तिलक को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्होंने स्वतंत्रता की भावना को प्रज्वलित किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिलक को 'स्वराज का उद्घोषक' बताते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम को वैचारिक ऊर्जा दी।

मोदी ब्रिटेन के लिए रवाना, स्टार्मर से होगी मुलाकात

भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री-ट्रेड डील पर एग्रीमेंट करेंगे मोदी

मोदी का ब्रिटेन के किंग चार्ल्स से भी करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली : एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिटेन के एक दिवसीय दौरे के लिए रवाना हो गए हैं. उनका यह दौरा दोनों देशों के संबंधों के लिए काफी अहम साबित हो सकता है. पीएम की इस यात्रा के दौरान भारत-ब्रिटेन में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर साइन किए जाने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को एक नई ऊंचाई मिलेगी. फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के जरिए भारत-ब्रिटेन की कोशिश द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 120 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने की है. उम्मीद की जा रही है कि इस समझौते पर गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर की मुलाकात के दौरान आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर हो सकते हैं.

व्यापारियों को मिलेगी स्पष्ट रूपरेखा, बढ़ेगा द्विपक्षीय व्यापार

भारतीय हाई कमिश्नर दोराईस्वामी के मुताबिक, एफटीए सिर्फ टैरिफ रिडक्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें ट्रेड के नियम, कस्टम्स अरेंजमेंट, रूल्स ऑफऑरिजिन, गवर्नमेंट प्रोक्योरमेंट और सर्विस सेक्टर से जुड़े कई अहम मुद्दे शामिल हैं. एक बार यह समझौता साइन और ब्रिटेन की संसद द्वारा रैटिफाई किए जाने के बाद, दोनों देशों के व्यापारियों को ज्यादा प्रीडिक्टिबल फ्रेमवर्क मिलेगा. इससे दोनों देशों के व्यापारियों के लिए नियम आसान और ट्रांसपेरेंट होंगे, जिससे द्विपक्षीय व्यापार बढ़ेगा.

.प्रधानमंत्री मोदी के लोकल टाइम के मुताबिक बुधवार शाम को ब्रिटेन पहुंचने की उम्मीद है, जिसके बाद गुरुवार को ब्रिटिश पीएम स्टार्मर के साथ उनकी बैठकें होंगी, जहां दोनों पक्षों के बीच सहमत एफटीए पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए जा सकते हैं.

ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के लिए गर्व का मौका

भारतीय हाई कमिश्नर दोराईस्वामी ने प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिटेन यात्रा को लेकर कहा कि हम चाहते थे कि पीएम मोदी का दौरा लंबा हो लेकिन पीएम ब्रिटेन में सिर्फ 24 घंटे रुकेंगे, जो यह दर्शाती है कि भारत इस साझेदारी को कितना महत्व देता है. हाई कमिश्नर ने कहा, ÷प्रधानमंत्री हमेशा यह मानते हैं कि पारंपरिक और महत्वपूर्ण साझेदारों के साथ संबंध मजबूत करने चाहिए. संसद सत्र के दौरान भी इतनी दूरी तय कर प्रधानमंत्री का आना इस रिश्ते को एक नई ऊंचाई देने की मंशा को दर्शाता है.÷

पूर्व सांसद किरण खेर पर 13 लाख का सरकारी किराया बकाया, प्रशासन ने भेजा नोटिस

एजेंसी

चंडीगढ़ चंडीगढ़ से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद किरण खेर पर सरकारी मकान का लाखों रुपये का किराया बकाया है। चंडीगढ़ प्रशासन ने उन्हें सेक्टर-7 में आवंटित एक सरकारी मकान के लाइसेंस शुल्क (किराए) के रूप में लगभग 13 लाख रुपये का भुगतान करने के लिए नोटिस जारी किया है। यह नोटिस पिछले महीने 24 जून, 2025 को भेजा गया था, जिसमें चेतावनी दी गई है कि यदि बकाया राशि समय पर जमा नहीं की गई, तो कुल राशि पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी वसूला जाएगा।

प्रशासन के रेंट विभाग के असिस्टेंट कंट्रोलर (एफएंडए) द्वारा भेजे गए नोटिस के अनुसार, पूर्व सांसद पर कुल 12,76,418 रुपये की देनदारी है। यह राशि सेक्टर-7 स्थित सरकारी मकान नंबर T-6/23 के लाइसेंस शुल्क और उस पर लगे जुर्माने की है। बताया जा रहा है कि बकाए के कुछ हिस्सों पर 100% से लेकर 200% तक का भारी जुर्माना भी लगाया गया है। प्रशासन ने यह नोटिस किरण खेर के सेक्टर 8-ए में स्थित उनकी निजी कोठी (नंबर 65) के पते पर भेजा है।

ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा और राज्यसभा में 16-16 घंटे होगी चर्चा

एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा का समय दोनों सदनों में तय हो गया है। सोमवार 28 जुलाई को लोकसभा से चर्चा की शुरुआत होगी। राज्यसभा में बहस मंगलवार से होगी। संसद के दोनों सदनों में 16-16 घंटे का समय चर्चा के लिए निर्धारित किया गया है। चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। वे चर्चा का जवाब दे सकते हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह भी चर्चा में शामिल हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी पहले ही इस मामले में चर्चा का संकेत दे चुके थे, जब उन्होंने मानसून सत्र को विजयोत्सव बताया था। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा कारगिल विजय दिवस के बाद शुरू हो रही है।

सरकार ऑपरेशन सिंदूर को भी विजय के रूप में पेश करेगी जबकि पहलगाम हमले में सुरक्षा चूक को लेकर विपक्ष सरकार को घेरना चाहता है। हमले में शामिल आतंकियों का अब तक पकड़ में नहीं आने का मुद्दा भी विपक्ष जोर-शोर से उठाएगा। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के युद्ध रुकवाने के बयान पर भी विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी से स्पष्टीकरण चाहता है। सूत्रों ने कहा, विपक्षी दलों के सदस्यों ने बुधवार को राज्यसभा में अगले सप्ताह से पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दो दिवसीय चर्चा कराए जाने तथा इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की। पहले ऑपरेशन सिंदूर पर तुरंत चर्चा की मांग हो रही थी लेकिन प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा के चलते अगले हफ्ते चर्चा पर सहमति बनी।

रेलमंत्री ने लोकसभा में कहा- बिहार के रेलवे बजट में उछाल, 11 वर्षों में 9 गुना बढ़ोतरी

नई दिल्ली. केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार 23 जुलाई को लोकसभा में बिहार में रेलवे के तहत हो रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को रेलवे क्षेत्र में ऐतिहासिक लाभ प्राप्त हुआ है. उन्होंने बताया कि बिहार में 11 वर्ष पूर्व राज्य के लिए रेलवे बजट मात्र 1132 रुपए करोड़ था, उसे प्रधानमंत्री ने बढ़ाकर 10,000 करोड़ कर दिया है. यह नौ गुना वृद्धि बिहार की आकांक्षाओं और जरूरतों के प्रति केंद्र सरकार की गहन प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

उपराष्ट्रपति निवास छोड़ेंगे जगदीप धनखड़

एजेंसी

जगदीप धनखड़ इस्तीफा देने के बाद अब जल्द ही उपराष्ट्रपति निवास छोड़ेंगे. रिपोर्ट के अनुसार, सामान की पैकिंग आरंभ हो चुकी है. इस सप्ताह के आखिरी तक वो निवास खाली कर देंगे. मिली जानकारी के मुताबिक जिस दिन जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, उसी दिन से सामान पैक करना शुरू कर दिया था. हालांकि उनका इस्तीफा एक दिन बाद यानी मंगलवार को स्वीकार किया गया. धनखड़ के इस्तीफे को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है और विपक्ष का आरोप है कि सरकार के दबाव में आकर उन्हें उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देना पड़ा।

भारत से दोहा जा रही फ्लाइट में हवा में आई खराबी, 188 यात्रियों संग वापस लौटा विमान, सुरक्षित उतरा

कोझिकोड

केरल के कोझिकोड से कतर की राजधानी दोहा के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान में बुधवार सुबह तकनीकी खराबी आ गई। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पायलट ने विमान में आई गड़बड़ी की सूचना हवाई यातायात नियंत्रण (ATC) को दी, जिसके बाद विमान को 188 यात्रियों के साथ वापस कोझिकोड हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि उड़ान संख्या IX 375 ने सुबह 9:17 बजे कोझिकोड से दोहा के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के थोड़ी देर बाद ही पायलट को विमान के केबिन एयर कंडीशनिंग (AC) सिस्टम में कुछ तकनीकी समस्या का पता चला। जिसके बाद पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विमान को वापस कोझिकोड लाने का फैसला किया। विमान करीब दो घंटे बाद सुबह 11:12 बजे हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंड हुआ। विमान में चालक दल समेत कुल 188 लोग सवार थे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह आपातकालीन लैंडिंग नहीं थी, बल्कि एक एहतियाती लैंडिंग थी। इस घटना पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक प्रवक्ता ने बताया, ÷हमारी एक उड़ान तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के बाद कोझिकोड लौट आई। हमने प्राथमिकता के आधार पर यात्रियों के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की। देरी के दौरान सभी मेहमानों को जलपान उपलब्ध कराया गया, जिसके बाद उड़ान दोहा के लिए रवाना हो गई।

विदेश | पासपोर्ट की ताकत में हुआ बड़ा इजाफा;

भारत पासपोर्ट धारकों को अब 59 देशों में बिना वीजा मिलेगी एंट्री

दुनिया में बढ़ा भारत का मान,

एजेंसी

नई दिल्ली ,भारतीय पासपोर्ट की ताकत में बड़ा इजाफा हुआ है। जुलाई 2025 के लिए जारी हुई प्रतिष्ठित हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत ने जनवरी के मुकाबले 8 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। इस सुधार के साथ भारत की रैंकिंग 85वें से सुधरकर 77वें स्थान पर पहुंच गई है। अब भारतीय पासपोर्ट धारक दुनिया के 59 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं।

वैश्विक रैंकिंग में सिंगापुर ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। सिंगापुर के पासपोर्ट धारकों को दुनिया के 227 गंतव्यों में से 193 में वीजा-मुक्त पहुंच प्राप्त है। इस सूची में एशियाई देशों का दबदबा कायम है, जिसमें जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इन दोनों देशों के नागरिक 190 देशों में

बिना वीजा के जा सकते हैं। यह रैंकिंग अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (IATA) के आंकड़ों पर आधारित होती है।

नई रैंकिंग के अनुसार, भारत की वीजा-मुक्त पहुंच वाले देशों की सूची में केवल दो नए स्थानों की वृद्धि हुई है। इसके बावजूद, रैंकिंग में यह बड़ा सुधार भारत की बढ़ती राजनयिक पहुंच और विभिन्न देशों के साथ मजबूत हुए द्विपक्षीय समझौतों को दर्शाता है। रैंकिंग में सऊदी अरब को भी फायदा हुआ है और वह 91 गंतव्यों के साथ चार स्थान चढ़कर 54वें पायदान पर पहुंच गया है।

इस बीच, दुनिया के सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले देशों, अमेरिका और ब्रिटेन, की रैंकिंग में गिरावट का दौर जारी है। यूनाइटेड किंगडम (K) फिसलकर छठे स्थान पर आ गया है, जो 186 देशों को वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान करता है। वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका (SA) अब 182 गंतव्यों तक पहुंच के साथ 10वें स्थान पर है। पिछले एक दशक में इन दोनों देशों की रैंकिंग में लगातार गिरावट देखी गई है, और अब यह खतरा मंडरा रहा है कि अमेरिका जल्द ही टॉप-10 की सूची से बाहर हो सकता है।

भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ी, 'किलर' अपाचे हेलिकॉप्टर का पहला बैच मिला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना की मारक क्षमता में बड़ा इजाफा हुआ है। दुनिया के सबसे खतरनाक लड़ाकू हेलिकॉप्टरों में शुमार अपाचे का पहला बैच भारत पहुंच गया है। अमेरिकी कंपनी बोइंग द्वारा निर्मित इन अत्याधुनिक हेलिकॉप्टरों को सेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। इनकी पहली तैनाती जोधपुर में होगी, जो रणनीतिक रूप से पश्चिमी सीमा के नजदीक है।

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताया। सेना ने पोस्ट में लिखा, भारतीय सेना में अपाचे का आगमन! सेना के लिए एक ऐतिहासिक पल। अपाचे हेलिकॉप्टरों के पहले बैच का भारत में स्वागत है। यह सेना की ऑपरेशनल क्षमताओं में महत्वपूर्ण वृद्धि करेगा। भारत ने अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग के साथ साल 2020 में भारतीय सेना के लिए छह AH-64E अपाचे हेलिकॉप्टरों का सौदा किया था। इनकी डिलीवरी पिछले साल ही होनी थी, लेकिन इसमें करीब 15 महीनों की देरी हुई है। मंगलवार को मिली पहली खेप में तीन हेलिकॉप्टर भारत पहुंचे हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह हेलिकॉप्टर भारतीय सेना को मिले हैं। इससे पहले भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 22 अपाचे हेलिकॉप्टरों का बेड़ा मौजूद है। अब सेना को अपने खुद के अपाचे हेलिकॉप्टर मिलने शुरू हो गए हैं, जिससे जमीनी और हवाई अभियानों में और बेहतर तालमेल स्थापित हो सकेगा। अपाचे हेलिकॉप्टर अपनी घातक मारक क्षमता, मजबूत कवच और रात में भी ऑपरेशन करने की उन्नत तकनीक के लिए जाने जाते हैं। इनका सेना में शामिल होना पश्चिमी सीमा पर भारत की सैन्य ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

अमेरिकी हवाई क्षेत्र में बड़ी चूक :

80 यात्रियों से भरे विमान से टकराने से बाल-बाल बचा बी-52 बॉम्बर

एटीसी की लापरवाही उजागर

बिस्मार्क ,एजेंसी । अमेरिका के नॉर्थ डकोटा में एक बड़ी हवाई दुर्घटना होते-होते टल गई, जब वायुसेना का एक बी-52 बॉम्बर एक व्यावसायिक विमान से टकराने से बाल-बाल बचा। इस घटना ने अमेरिकी एयर ट्रैफिक कंट्रोल की एक गंभीर लापरवाही को उजागर किया है। जिस समय यह घटना हुई, उस समय एयरलाइनर में 4 क्रू सदस्यों सहित 80 लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार, यह घटना नॉर्थ डकोटा क्षेत्र में उस समय घटी जब एक स्काईवेस्ट एयरलाइंस का विमान लैंडिंग की तैयारी कर रहा था। मिनोट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तैनात एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (ATC) ने B-52 बॉम्बर के चालक दल को यह सूचना नहीं दी कि उसी हवाई क्षेत्र में एक व्यावसायिक विमान भी मौजूद है। अमेरिकी वायुसेना ने इस घटना की पुष्टि करते हुए इसे हाल के दिनों में हवाई सुरक्षा पर एक गंभीर चिंता का विषय बताया है। बताया जा रहा है कि डेल्टा फ्लाइट 3788 के रूप में मिनियापोलिस से उड़ान भर रहे स्काईवेस्ट एयरलाइंस के पायलट को अचानक B-52 बॉम्बर अपने रास्ते में दिखाई दिया।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

पुत्र मोह में भूपेश ने पूरी कांग्रेस को झोंका, प्रदेश की जनता बहकावे में नहीं आने वाली : उद्योग मंत्री

उद्योग मंत्री ने भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता को किया संबोधित

भ्रष्टाचारियों को बचाने प्रदेश की जनता को परेशान किया जा रहा है इसे कहते है चोरी ऊपर से सीना जोरी

कोरबा । वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने सोमवार को टीपी नगर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस बताएं कि भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल कांग्रेस के किस पद पर है जिस व्यक्ति का कांग्रेस में कोई पद नहीं उसे व्यक्ति के लिए पूरी कांग्रेस प्रदेश में प्रदर्शन करने की बात कह रही है, इसका साफ मतलब है भूपेश बघेल ने पूरी कांग्रेस को पुत्र मुंह में झोंक दिया है। कुल मिलाकर भूपेश बघेल अपने कारनामे को गलत दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं ।

भूपेश बघेल और कांग्रेस भ्रष्टाचारियों को बचाने पूरे प्रदेश की जनता को परेशान कर रही है और साथ ही उनका आर्थिक रूप से नुकसान भी करने जा रही है जो की प्रदेश की जनता स्वीकार नहीं करेगी। मंत्री श्री देवांगन ने कहा की कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस पार्टी और भूपेश बघेल के झूठ का पर्दापाश हो गया है। भाजपा ने पत्रकार वार्ता में तथ्यों एवं दस्तावेज के माध्यम से कांग्रेस के झूठ को एक बार फिर बेनकाब किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण बार-बार प्रस्तुत कर रही है। आप सबको पता होगा कि अपने शासनकाल के पाँच वर्ष में भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को दस जनपथ का चारागाह बना दिया था।

श्री देवांगन ने कहा भूपेश बघेल की सरकार ने कोल परिवहन के सिस्टम को ऑनलाइन से ऑफलाइन कर दिया था। कोरबा समत अन्य जिलों के खदानों से

निकलने वाले कोयले में अवैध वसूली की जाती थी। भाजपा सरकार बनने के सिर्फ दो महीने बाद 7 फरवरी 2024 को कॉल परिवहन का सिस्टम पुनः ऑनलाइन कर दिया गया था। इस तरह से गड़बड़ी के सारे रास्ते को जीरो टॉलरेंस नीति के तहत विष्णु देव सरकार बंद कर चुकी है। शराब घोटाले, कोयला घोटाले, चावल घोटाले, गोठान घोटाले से लेकर पीएससी घोटाले तक में इसने प्रदेश के संसाधनों को जम कर लूटा था, आज इन घोटालों के आरोपी एक एक कर नप रहे हैं। सभी जेल जा रहे हैं। तो भूपेश बघेल के पेट में दर्द हो रहा है।

श्री देवांगन ने कहा कि जब भी कोल ब्लॉक आवंटन और पेड़ कटाई आदि पर सवाल उठाते थे, तो दस जनपथ के दबाव में सीधे तौर पर भूपेश बघेलजी बचाव में आ जाते थे। कहते थे कि कोल ब्लॉक आवंटन का विरोध करने वाले अपने-अपने घरों की बिजली बंद कर दें।

सवाल यह है कि अब जब झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा कर भूपेशजी अपनी कालिख धोने की कोशिश कर रहे हैं, तो क्या वह अपने घर और राजीव भवन की बिजली बंद करेंगे? न केवल भूपेश बघेल ने कोल ब्लॉक अशोक गहलोत को आवंटित किया था, बल्कि उससे पहले भी मनमोहन सिंह जी की सरकार में तमाम नियमों को धत्ता बताते हुए छत्तीसगढ़ के कोल ब्लॉक आवंटन की राह आसान की थी। उन्होंने कहा कि साल 2010 में केन्द्र में काँग्रेस की सरकार थी, तब कोयला मंत्रालय और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा हसदेव अरण्य को पूरी तरह से नो-गो जोन घोषित किया गया था। उसे कांग्रेस नीत सरकार के पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने ही सबसे पहले गो एरिया घोषित किया था।

23 जून 2011 को केन्द्र में कांग्रेस की सरकार रहते ही तारा परसा ईस्ट और कांटे बेसन कोल ब्लॉक को खोलने का प्रस्ताव दिया गया। जब छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, उस वक्त अडानी को दो बड़ी खदानों गारे पेलमा सेक्टर-2 और राजस्थान में केते एक्सटेंशन ब्लॉक का ऑपरेटर बनाया गया। इसी तरह भूपेश बघेलजी के मुख्यमंत्री कार्यकाल में ही 16 अक्टूबर 2019 को राज्य सरकार ने पर्यावरण स्वीकृति के लिए सिफारिश भेजी।

राजधानी में हुई भारी वर्षा से जनजीवन अस्त व्यस्त

पौन घंटे में 31 एमएम वर्षा होने से कई मोहल्ले एवं बस्तियां जलमग्न

रायपुर। राजधानी में आज सुबह एक इंच के आसपास वर्षा होने के कारण पूरा शहर तरबतर हो गया। नालियों की साफ सफाई की पोल खुल गई। वहीं सड़कों में पानी भर गया। जिसके कारण सुबह काम में जाने वाले लोग काफी परेशान हो गये। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार दक्षिण बस्तर में भारी वर्षा होने का पूर्वानुमान है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा से मिली जानकारी के अनुसार ऊपर हवा में चक्रवात एवं मानसून द्रोणिका तथा बस्तर के ऊपर एक चक्रवात बनने के कारण आज राजधानी में दस बजे से लेकर 11 बजे के बीच काफी वर्षा हुई। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार यहां पर आधे घंटे में एक इंच के आसपास वर्षा हुई है। मौसम विभाग के रिकार्ड के अनुसार 31.5 एमएम वर्षा होने के कारण राजधानी के कई पाश इलाके में पानी भर गया है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार चौबे कालोनी, समता, प्रोफेसर कालोनी तथा जोन क्रमांक एक के अंतर्गत आने वाले देवेंद्र नगर तथा अन्य निचली बस्तियों में पानी भर गया है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार एक वर्षा सिर्फ राजधानी के सीमित क्षेत्र में हुई है जबकि माना के आसपास कोई वर्षा नहीं हुई है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार मानसून द्रोणिका एवं ऊपरी हवा में चक्रवात होने के कारण दक्षिण बस्तर में अच्छी वर्षा होने का पूर्वानुमान है। आज वर्षा होने के पश्चात राजधानी के पार्षद तथा जोन कमिश्नर वस्तुस्थिति की जानकारी लेने पहुंचे। जयस्तंभ चौक काफी हाउस के सामने भावना नगर काली नगर, गीता नगर सहित अन्य निचली बस्तियों में भी पानी भर गया है।

उच्च शिक्षा विभाग में संलग्रीकरण के लिए हो रही प्रतिस्पर्धा

कालेज में पढ़ाना छोड़कर प्राध्यापक प्रशासनिक पदों पर हो रहे काबिज

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग में कई प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक जुगाड़ में अधिक भरोसा रखते है और इसी तर्ज पर अनेक प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक उच्च शिक्षा विभाग के प्रशासनिक पदों पर लंबे समय से पदस्थ है। एक ओर जहां प्रदेश में महाविद्यालयों में अध्यापन के लिए प्राध्यापकों की कमी रेखांकित की जाती रही है वहीं रिसर्च और पढ़ाई कराने में प्राध्यापक रूचि नहीं दिखा रहे हैं। अधिकांश प्राध्यापक अध्यापन कार्य को छोड़कर प्रशासनिक पदों पर काबिज होना ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार राज्य शासन के दिशा निर्देशों की अव्हेलना करते हुए कुछ सचिव स्तर के अधिकारी अपने लोगों को प्रशासनिक पदों पर पदस्थ कर उत्कृष्ट किये है। अटेचमेंट और डेपूटेशन का खेल लंबे समय से जारी है। नई शिक्षा नीति महाविद्यालयों के लिए निर्धारित की गई है। उसके तहत समस्त संलग्रीकरण समाप्त कर महाविद्यालयों में अध्यापन हेतु प्राध्यापकों को मूल विभाग को भेजने के निर्देश दिये गये है इसके बाद भी कई प्राध्यापक अभी भी प्रशासनिक पदों पर जमे हुए हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी किस तरह अपने लोगों को उपकृत कर रहे हैं इसका उदाहरण देखने में आया है जब उच्च शिक्षा विभाग ने पांच दिसंबर 2012 को एक आदेश जारी किया था जिसमें 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके प्राध्यापक सहायक प्राध्यापक एवं प्राचार्यों को प्रशासनिक पदों पर पदस्थ नहीं किया जा सकता। उक्त नियम का भी लगातार उल्लंघन किया जा रहा है।

इसी तरह राजलक्ष्मी सेलट को 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी महाविद्यालय अटारी जिला रायपुर के लिए पदस्थापना आदेश जारी किया गया था। आदेश जारी होने के ठीक एक हफ्ते बाद उन्हें उच्च शिक्षा विभाग में ओएसडी के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। उक्त आदेश के मद्देनजर भी उच्च शिक्षा संचालनालय में अपर संचालक के पद पर पदस्थ है। डॉ. एचपी खैरवार को जो पीजी प्रिंसिपल है को 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर शासकीय एमएमआर पीजी महाविद्यालय जांजगीर चांपा में प्राचार्य के पद पर पदस्थ किया गया। विभागीय आदेश के बिना उन्हें एकतरफा रिलीव किया गया। अब वे अपर संचालक के पद पर नहीं है। उक्त शिक्षा विभाग के ये दो स्थानांतरण शासन की दोहरी स्थानांतरण नीति को प्रकट करते हैं।

सेंटरिंग प्लेट आपूर्ति ने महिला समूहों को दिखाई नयी राह

रायपुर । सेंटरिंग प्लेट का निर्माण परम्परागत रूप से पुरूष प्रधान रहा है, लेकिन अब रायगढ़ जिले की 100 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने लोन लेकर सेंटरिंग प्लेट निर्माण का कार्य शुरू किया है। ये कार्य महिलाओं को न केवल एक स्थिर आय का स्रोत प्रदान कर रहे है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में इनसे निमार्ण एवं विकास कार्य को गति मिली है, और महिलाएं भी आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हुई हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के सामूहिक विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान किया जाता है। रायगढ़ विकास खण्ड में लगभग 100 समूह की महिलाओं ने संकुल एवं ग्राम संगठन से सीआईएफराशि के तहत 60 हजार रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक का लोन प्राप्त किया है। लोन की इस राशि से महिलाओं ने सेंटरिंग प्लेट बनवा कर उसे पीएम आवास सहित गांवों में चल रहे अन्य निर्माण कार्यों के लिए किराये पर उपलब्ध करवा रही हैं। इससे वे अब उद्यमिता की नई राह पर भी बढ़ चली हैं।पीएम आवास से निकला आजीविका का मौकाप्रधानमंत्री ग्रामीण आवास निर्माण में इन सेंटरिंग प्लेट की आपूर्ति होने से निर्माण की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है, पीएम आवास निर्माण में भी तेजी आई है।

लखपति दीदी बनने की राह पर अग्रसर

ग्राम पंचायत बनोरा निवासी पुष्पांजलि निषाद ने बताया कि पहले उनके समूह ने बैंक से सामूहिक लोन लेकर इस कार्य की शुरुआत की थी।

स्वाद, संस्कृति और सशक्तिकरण की एक प्रेरक कहानी

कोरबा। कहते हैं परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, अगर इरादे मजबूत हों तो हर मुश्किल राह आसान बन जाती है। जिले की नीलम सोनी ने यह साबित कर दिखाया कि अगर जुनून हो तो साधारण सी जिंदगी भी एक असाधारण मिसाल बन सकती है। घरेलू जिम्मेदारियों में बंधकर बैठने के बजाय उन्होंने बदलाव को चुनाकृखुद के लिए, अपने परिवार के लिए और उन सैकड़ों महिलाओं के लिए जो कभी समाज की सीमाओं में सिमटी थीं। चुनौतियों से लड़कर उन्होंने न सिर्फअपना आर्थिक और सामाजिक कद ऊँचा किया, बल्कि दूसरों के जीवन में भी उम्मीद की किरण जगाई। आज वे केवल एक सफल उद्यमी ही नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक प्रतीक बन चुकी हैं।

कोरबा जिले के कटघोरा में रहने वाली श्रीमती सोनी के घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। पति अकेले कमाने वाले थे और घर खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था। अपने बच्चों के भविष्य और अपने आत्मसम्मान के लिए नीलम ने ठान लिया कि कुछ करना है। उन्होंने अपनी बेटी 'श्रिया' के नाम पर 'श्रिया स्व-सहायता समूह' से जुड़कर अपनी नई यात्रा की शुरुआत की। यही वह मोड़ था जहाँ से उन्होंने अपने जीवन को नए रंगों से रंगना शुरू किया।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (छत्स्ड) के अंतर्गत सरकार द्वारा संचालित 'बिहान' योजना से जुड़कर श्रीमती नीलम सोनी को एक नई दिशा और पहचान मिली। उन्होंने शासन की सहायता से छह लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और कटघोरा में 'गढ़ कलेवा' नामक एक परंपरागत छत्तीसगढ़ी भोजनालय की शुरुआत की। शुरुआत में राह आसान नहीं थी, लेकिन दृढ़ निश्चय और परिश्रम ने उन्हें पीछे मुड़कर देखने का मौका नहीं दिया। उन्होंने गढ़ कलेवा में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों जैसे चीला, फरा, ठेठरी, खुरमी, अईरसा, चैसेला, तसमई, करी लड्डू, सोहारी आदि के साथ-साथ मिलेट्स (मोटा अनाज) से बने पारंपरिक पकवानों को परोसना शुरू किया।गढ़ कलेवा सिर्फ एक व्यवसाय नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने का एक माध्यम बन गया। यहाँ आने वाले लोगों को न केवल स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी खाना मिलता है, बल्कि वहाँ की सजीवता और पारंपरिक सजावट भी उन्हें अपनेपन का अहसास कराती है।

राजस्तरीय अस्मिता खेलों इंडिया भारोत्तोलन प्रतियोगिता में राजनांदगांव के महिला वेट लिफ्टरों ने जुनियर सिनियर चैम्पियनशिप पर कब्जा

राजनांदगांव। एक दिवसीय अस्मिता खेलों इंडिया महिला भारोत्तोलन (वेट लिफ्टिंग) स्पर्धा दुर्ग पाटन स्थित झीट (महुदा) गांव में आयोजित भारोत्तोलन प्रतियोगिता के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ भारोत्तोलन के अध्यक्ष एवं दुर्ग सांसद श्री विजय बघेल जी के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। इस एक दिवसीय महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता के संबंध में जिला भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष श्री अमित आजमानी जी ने बताया कि जय भवानी व्यायाम शाला स्टेडियम समिति में अभ्यासरत् महिला भारोत्तोलन खिलाड़ी केन्द्र सरकार के अस्मिता खेलों इंडिया के तत्वाधान में छत्तीसगढ़ भारोत्तोलन संघ द्वारा आयोजित इस स्पर्धा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 125 महिला वेट लिफ्टर खिलाड़ी भाग लिये जिसमें रायपुर, दुर्ग, धमतरी, बालोद, कोरबा, जगदलपुर, बलौदा बाजार, भिलाई आदि जिलों से खिलाड़ी भाग लिये जिसमें राजनांदगांव के महिला वेट लिफ्टरों ने 9 गोल्ड, 11

सिल्वर व दो ब्राउंस मेडल लेकर जुनियर और सिनियर वर्ग में विनर रहे और चैम्पियनशीप पर कब्जा जमाया वहीं सब जुनियर ने उप विजेता रही। आजमानी जी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल लिये वेट लिफ्टर खिलाड़ी का सितम्बर महिने में कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय अस्मिता खेलों इंडिया महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस राज्य स्तरीय खेलो इंडिया भारोत्तोलन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- रूसना फरहीन, सोनाली यदु, खुशी रंगारी, मुस्कान यादव और द्वितीय स्थान- रिमझिम मैगी, पंखुड़ी टांग, महजबीन खान, तानी यादव, तानिया बंजारे, मानसी यादव तृतीय स्थान- जान्हवी साहू, साक्षी राजपूत पांचवे स्थान पर मुस्कान यादव व मुस्कान पटेल रहीं। इस टीम के कोच सोनाली यदु व मैनेजर अशोक श्रीवास रहे। इन सभी खिलाड़ियों के सफलता व चैम्पियनशीप ट्रॉफी लेने पर जिला भारोत्तोलन संघ के संरक्षक डोमन महोबिया, नीलू शर्मा, जीतू मुदलियार, अजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष अमित आजमानी, सचिव अशोक श्रीवास, कोषायक्ष बसंत मैगी, जय भवानी व्यायाम शाला के सचिव शेख वसीम, सह सचिव नीरज शुक्ला, संघ के उपाध्यक्ष, दीपक ठाकुर, मनोज यादव, चोवाराम सोनकर, अंकुश आजमानी, आकाश सोनी, सह सचिव नाहिद अख्तर, नारायण लोहार, तामेश्वर बंजारे, रितेश घरड़े, व्यायाम शाला के कोषाध्यक्ष विवेक रंजन सोनी, व्यायाम शाला के वरिष्ठ सदस्य दाऊद खान, जग्गू ठाकुर, रामा यादव, अजय कुलदीप, नीतिन शर्मा, रवि गुप्ता, नोमेन्द्र यादव, सुखराम मेश्राम, गोलू यादव, गौकरण सोनकर, दीपक सोनी, वैभव देवांगन, रविन्द्र सुधाकर, भरत साहू, अरूण गुप्ता आदि सदस्यों ने बधाई प्रेषित किये है।

उद्योग मंत्री लखनलाल की पहल पर कोरबा नगर निगम को मिली 18 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात

कोरबा। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन की पहल पर छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि व विधायी कार्य, तथा नगरीय प्रशासन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव द्वारा नगर पालिक निगम कोरबा हेतु लगभग 18 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इन कार्यों में10 लाख की राषि सेवार्ड क. 01 अंतर्गतशा.उ.मा.वि. कोरबा (पूर्व वार्ड क. 01) के सामने नाली एवं सी.सी. रोड निर्माण, 15 लाख की राषि से वार्ड क. 04 (पूर्व वार्ड क्र. 03) अंतर्गत बजरंग चैक शिव मंदिर गली रातीखार, में शिव मंदिर के सामने बिन्दु सिंह राजपूत के घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 11.75 लाख की राषि से रातीखार मुख्य मार्ग में पुराना पुल से मुक्तिधाम तक सड़क बत्ती स्थापना कार्य (पूर्व वार्ड क्र. 03), 30 लाख की राषि से वार्ड क. 05 (पूर्व वार्ड क्र. 04) अंतर्गत ईदगाह से इंदिरा नगर आंगनबाड़ी कलवर्ट तक नाली का निर्माण, 12 लाख की राषि से वार्ड क्र. 06 अंतर्गत पुरानी बस्ती कोरबा (पूर्व वार्ड क्र. 06) में सर्वमंगला फ्लोर मिल से भंडारी चैक तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य, 06 लाख की राषि से वार्ड क. 08 अंतर्गत मोतीसागरपारा (पूर्व वार्ड क. 07) नवीन माध्यमिक शाला के सामने सी. सी. रोड निर्माण कार्य, 18 लाख 61 हजार की राषि से वार्ड क्र. 09 (पूर्व वार्ड क्र. 08) इमलीडुग्गू अशोक घर से पुजा पाडेय घर तक बाई पास रोड, नागेश ठाकुर घर से आगनबाडी एवं रेलवे स्टेशन मोहल्ला टीका घर से आगनबाडी तक ओ. पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने का कार्य, 54 लाख 28 हजार की राषि से वार्ड क. 08 एवं 09 (पूर्व वार्ड क्र. 07, 08) सीमामणी हटरी मेन रोड से इमलीडुग्गू स्वागत द्वार तक सड़क बत्ती स्थापना कार्य, 10 लाख की राषि से वार्ड क. 14 न्यू रेल्वे कॉलोनी (पूर्व वार्ड क. 12) शिव मंदिर के पास धनंजय कुर्रे घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य, 12 लाख की राषि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अंतर्गत टिकम राठौर घर से सुरजीत सिंह खत्री घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 10 लाख की राषि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अमरैय्यापारा हरियाणा गली में सी.सी. रोड एवं नाली का निर्माण कार्य, 88 लाख की राषि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अमरैय्यापारा अंतर्गत पावर टॉवर के पास नाला व सी.सी. सड़क निर्माण कार्य, 26 लाख 60 हजार की राषि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अंतर्गत मुड़ापार बाईपास मार्ग में रॉयल इन्फील्ड शोरूम से पेट्रोल पंप तक आर.सी.सी. नाला व सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य, 28 लाखकी राषि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अंतर्गत मुड़ापार तालाब के पास नाला से तालाब तक ओवरफ्लो कलवर्ट निर्माण कार्य, 08 लाखकी राषि सेवार्ड क्र. 17 (पूर्व वार्ड क्र. 15) अंतर्गत छ.ग.रा.वि.मं. क. 01 सुलभ से लेकर वर्षा किराना स्टोर एवं सरई पेड़ से लक्ष्मी राठौर के घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 20 लाखकी राषि सेवार्ड क. 17 (पूर्व वार्ड क्र. 15) अंतर्गत गौठान पारा रसियन हॉस्टल ढोढ़ीपारा में नाली सी.सी. रोड का निर्माण कार्य।

अरपा सहित 19 नदियों के उद्गम स्थल के संरक्षण के लिए हाईकोर्ट ने कमेटी बनाने के शासन को दिये निर्देश

नदियों के उद्गम स्थल को नाला दर्शाये जाने पर हाईकोर्ट ने शासन को कड़ी फटकार लगाई

बिलासपुर । अरपा सहित प्रदेश की 19 नदियों के उद्गम स्थल के संरक्षण के लिए हाईकोर्ट ने शासन को कमेटी बनाने के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में याचिकाकर्ता अधिवक्ता अरविंद शुक्ला अधिवक्ता रामनिवास तिवारी द्वारा हाईकोर्ट में अलग अलग याचिका दायर कर अरपा नदी के उद्गम स्थल के संरक्षण में फैल रहे प्रदूषण की रोकथाम एवं अवैध उत्खनन को रोक लगाने के लिए शासन से कठोर कदम उठाने के संबंध में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने इस संबंध में याचिकाकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए गंभीर रूख अपनाते हुए शासन को

इस संबंध में नदियों के संरक्षण के लिए तत्काल कमेटी बनाने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि उद्गम स्थलों को राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर चिन्हांकित किया जाए। शासन को इस संबंध में शपथ पत्र देकर जानकारी विस्तृत रूप से हाईकोर्ट में आगामी सितंबर माह में प्रस्तुत करनी होगी।

ज्ञातव्य है कि इसके अलावा अरपा अर्पण महाअभियान समिति ने भी हाईकोर्ट में लिखित शिकायत कर ये आरोप लगाया था कि शासन द्वारा प्रतिबंध के बावजूद भी अरपा के कई स्थानों में अवैध रूप से उत्खनन कार्य जारी है। याचिकाओं की सुनवाई के दौरान अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट को यह भी बताया कि बारिश के दिनों में अवैध उत्खनन होने की वजह से गहरे गढ्डे में डूबकर अब तक तीन बालिकाओं की मृत्यु हो चुकी है इस पर तीनों याचिकाओं को एक साथ स्वतः संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने संयुक्त रूप से मामले की सुनवाई की। पूर्व की भागवत कमेटी का जिक्र करते हुए छग उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं न्यायमूर्ति विभुदत्त गुरु की डबल बैंच ने सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ताओं की मांग पर कमेटी बनाने का आदेश जारी किया। याचिकाओंकर्ताओं ने इस मामले के प्रस्तुतिकरण के साथ छह साल पहले छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में मुद्रित समाचारों की कटिंग भी लगाई थी इस पर कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि शासन द्वारा मामला संज्ञान में आने के बावजूद भी बरती गई लापरवाही गंभीर चूक की श्रेणी में आती है।

नक्सलियों ने फिर किया खून खराबा; मार डाला दो आदिवासियों को

जगरगुंडा एरिया कमेटी ने छोड़ा खून लगा पत्र

मृतकों के खून के छिंटे मारे गए हैं नक्सली पत्र पर

जगदलपुर। बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने फिर खून खराबा किया है। पुलिस मुखबिरी आरोप लगाते हुए नक्सलियों ने दो अधेड़ आदिवासियों को धारदार हथियार से काट डाला और उनके खून से सना एक पत्र भी छोड़ा है। ?सी क्रूरता, ?सी हैवानियत कर नक्सली आखिर क्या संदेश देना चाहते हैं, यह समझ से परे है। बीजापुर जिले के तर्रेम क्षेत्र में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। इस हत्याकांड की जिम्मेदारी नक्सली संगठन भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की जगरगुंडा एरिया कमेटी ने ली है। नक्सलियोंने खून के ये छींटों वाला एक पत्र भी छोड़ा है। माना जा रहा है कि खून के ये छींटे मृतकों के हैं। बीजापुर जिले के तर्रेम थाना क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा एकबार फिर निर्दोष ग्रामीणों को निशाना बनाए जाने की खबर सामने आई है। यह लोम हर्षक वारदात ग्राम छुटवाई और बड़ा तर्रेम में हुई, जिसने पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 20 और 21 जुलाई की दरम्यानी रात करीब आधा दर्जन नक्सली गांव में घुसे और छुटवाई निवासी 55 वर्षीय कवासी जोगा तथा बड़ा तर्रेम निवासी 50

वर्षीय मंगलू कुरसम की धारदार हथियारों से नृशंस हत्या कर दी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार इस जघन्य वारदात को 4-5 अज्ञात नक्सलियों द्वारा अंजाम दिया गया है। थाना तर्रेम पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। दोनों ग्रामीणों की हत्या की जिम्मेदारी भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की जगरगुंडा एरिया कमेटी ने ली है। पत्र में खून के छिंटें हैं और उसमें लिखा है कि दोनों मृतक पुलिस के लिए मुखबिरी करते थे इसलिए उन्हें मौत की सजा दी गई है। समझा जा रहा है कि नक्सलियों ने मृतकों के शरीर से बह रहे खून को लेकर उसके छिंटें पत्र पर मारे हैं। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों आदिवासी ग्रामीणों के साथ नक्सलियों ने कैसी क्रूरता की होगी।

डिवाइडर से टकराई स्पोर्ट्स-बाइक, 40 फीट दूर फेंकाया,...

रायपुर में मंत्री केदार के भतीजे की एक्सीडेंट में मौत

संवाददाता। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप के भतीजे की एक्सीडेंट में मौत हो गई है। हादसा नवा रायपुर में हुआ है। निखिल कश्यप (22) की तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। जिससे बाइक से वह नीचे गिरा और सिर फटने से उसकी मौके पर मौत हो गई। मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे की है। जानकारी मिलते ही एसएसपी लाल उमेद सिंह मौके पर पहुंचे उनके साथ मंत्री केदार कश्यप भी मौजूद थे। दोनों ने घटनास्थल का जायजा लिया।

गृहग्राम फरसागुड़ा में शाम 5 बजे अंतिम संस्कार किया गया। बता दें कि निखिल बस्तर सीट से पूर्व सांसद दिनेश कश्यप का बेटा था। उसकी मां वेदवती कश्यप वर्तमान में बस्तर जिला पंचायत की अध्यक्ष हैं। सीएम साय ने सोशल मीडिया साइट ङ्क पर पोस्ट कर हादसे पर दुख जताया है।

एक्सीडेंट की सूचना पर मौके पर मंत्री केदार कश्यप पहुंचे उनके साथ पुलिस टीम भी साथ रही।

एक्सीडेंट की सूचना पर मौके पर मंत्री केदार कश्यप पहुंचे उनके साथ पुलिस टीम भी साथ रही।

डिवाइडर से टकराकर तेज रफ्तार स्पोर्ट्स बाइक दूर फेंका गई थी।

रायपुर से सत्य साई अस्पताल की ओर जा रहे थे मंदिर हसौद पुलिस के मुताबिक, तीन बाइक पर चार युवक सवार थे। निखिल कश्यप के साथ उसका एक दोस्त स्पोर्ट्स बाइक पर पीछे बैठा था। सभी रायपुर से सत्य साई अस्पताल की ओर जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई।

टक्कर से 40 फीट दूर फेंकाया युवक

टक्कर से निखिल करीब 40 फीट दूर फेंका गया। उसके सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर ही खून बहने से निखिल की मौत हो गई। वहीं बाइक के पीछे में सवार दोस्त भी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। वहां मौजूद अन्य दोस्तों ने 112 को सूचना दी। निखिल कश्यप बस्तर के पूर्व सांसद दिनेश कश्यप का बेटा था।

दोस्त अस्पताल में भर्ती, दोनों ने नहीं पहना था हेलमेट मौके पर पहुंची 112 ने निखिल के घायल दोस्त को पास के ही एक निजी अस्पताल पहुंचाया है। जहां युवक का इलाज जारी है। दूसरे युवक के भी सिर और शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। वहीं पुलिस ने निखिल की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि दोनों युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था।

नेताओं ने जताया दुख, पूर्व सीएम ने दी श्रद्धांजलि

पूर्व सांसद दिनेश कश्यप के बेटे निखिल कश्यप की सड़क हादसे में मौत की खबर के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, डिप्टी सीएम अरूण साव और विजय शर्मा ने सोशल मीडिया साइड ङ्क पर पोस्ट कर दुख जताया है। वहीं पीसीसी चीफदीपक बैज ने भी पोस्ट कर शोक व्यक्त किया है।

शांतिकुंज, हरिद्वार से शक्ति कलश रथ का भव्य स्वागत अवंती एलीगेंस परिसर में

रायपुर। आज हमारे अवंती एलीगेंस परिसर को एक दिव्य और ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जब शांतिकुंज, हरिद्वार से पधारा शक्ति कलश रथ परिसर में पहुंचा। इस पावन अवसर पर स्मृति ज्योति राव एवं रुचिता राव ने अवंती एलीगेंस परिवार की ओर से रथ का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह रथ यात्रा परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी के शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में देशभर में निकाली जा रही है। गुरुदेव द्वारा वसंत पंचमी 1926 को प्रारंभ की गई अखंड दीप स्थापना को वर्ष 2026 की वसंत पंचमी को 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इसी के साथ माताजी (वंदनीय भगवती देवी शर्मा जी) का भी शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है।

रायपुर में 'प्रोजेक्ट दक्ष' से अधिकारी बन रहे टेक्नोलॉजी फ्रेंडली

प्रोजेक्ट दक्ष : प्राचार्यों को मिल रहा डिजिटल दक्षता का प्रशिक्षण

रायपुर, प्रोजेक्ट दक्षः हम होंगे स्मार्ट÷ अब एक नई दिशा और पहचान बना रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में इस परियोजना के माध्यम से जिले के शासकीय अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। प्रोजेक्ट दक्ष के अंतर्गत आज शिक्षा विभाग के हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी के प्राचार्यों को प्रशिक्षण दिया गया।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट, ईमेल और MS Office जैसे उपयोगी टूल्स की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है।

मास्टर ट्रेनर्स की मदद से यह प्रशिक्षण चरणबद्ध तरीके से कलेक्टोरेट स्थित बीपीओ सेंटर मल्टीलेवल पार्किंग में संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन दो पाली में 25-25 बैच में प्रशिक्षण दिया रहा है। जिसमें ऑन-हैंड प्रैक्टिकल सेशन शामिल हैं। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया जाएगा और सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया जाएगा।

डॉ. सारस्वत पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त किये गए

रायपुर, / संवाददाता ।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री रमेन डेका द्वारा प्रोफेसर डॉ. विरेन्द्र कुमार सारस्वत को पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय बिलासपुर, का कुलपति नियुक्त किया गया है। राज्यपाल द्वारा उनकी नियुक्ति पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय अधिनियम, 2004 (संशोधन अधिनियम, 2006, 2010 एवं 2019) की धारा 9(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है। डॉ. सारस्वत का कार्यकाल, परिलब्धियां तथा सेवा शर्ते विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम में निहित प्रावधान अनुसार होंगी। वर्तमान में डॉ. सारस्वत, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

जिले में नैनो डीएपी का भंडारण और वितरण सुचारु – किसानों को मिल रहा आधुनिक, किफायती और प्रभावशाली उर्वरक

रायपुर, रायपुर जिले में खरीफ 2025 के लिए उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए नैनो डीएपी का पर्याप्त मात्रा में भंडारण एवं वितरण किया जा रहा है। किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ते हुए आधुनिक, किफायती और प्रभावशाली तरल उर्वरक नैनो डीएपी के प्रयोग के बारे में बताया जा रहा है।

नैनो डीएपी का उपयोग बेहद आसान है – एक लीटर पानी में 5 मिली नैनो डीएपी मिलाकर इसका छिड़काव किया जाता है। एक सामान्य घरेलू ढक्कन (25 मिली) की मात्रा 5 लीटर पानी के लिए पर्याप्त होती है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भी नैनो डीएपी को किसानों के लिए लाभकारी बताया है। यह उर्वरक पौधों को आवश्यक नाइट्रोजन और फास्फोरस प्रदान करता है, जिससे उनकी बेहतर वृद्धि, विकास और उत्पादन में मदद मिलती है। साथ ही, यह मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर करता है और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प के रूप में पारंपरिक डीएपी का स्मार्ट विकल्प है।

नैनो डीएपी का उपयोग बीज उपचार, मिट्टी में मिलाने और पत्तों पर छिड़काव – तीनों रूपों में किया जा सकता है। यह सभी प्रकार की फसलों के लिए उपयुक्त है और किसानों को उत्पादन बढ़ाने में मदद कर रहा है।

भूत, प्रेत, टोनही का खौफ व भ्रम हटाने के लिए अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति हरेली में रात्रि भ्रमण करेगी

रायपुर। अंधविश्वास, पाखंड व सामाजिक कुरीतियों के निर्मूलन के लिए कार्यरत संस्था अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति हरेली पर विशेष जनजागरण अभियान चलाएगी, जिसमें जादू टोने के संबंध में टोनही प्रताडना के विरोध में जागरूक करने, टोनही प्रताडना के विरोध में शपथ, गांव के निर्जन स्थानों में रात्रिभ्रमण, अंधविश्वास पर पम्पलेट वितरण किया जाएगा, टोनही प्रताडना के संबंध में जानकारी एवं जागरूकता बढ़ाने हेतु पोस्टर वितरित किए जायेंगे तथा यह पोस्टर ग्राम पंचायतों एवं सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा किए जायेंगे। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा हरियाली के प्रतीक हरेली अमावस्या की रात को ग्रामीणजनों के मन से टोनही, भूत-प्रेत का खौफ हटाने के लिए समिति भ्रमण कर ग्रामीणजनों से सम्पर्क करेगी।

डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा अंचल में हरियाली अमावस्या (हरेली) के संबंध में काफी अलग अलग मान्यताएं हैं अनेक स्थानों पर इसे जादू-टोने से जोड़कर भी देखा जाता है, कहीं-कहीं यह भी माना जाता है कि इस दिन, रात्रि में विशेष साधना से जादुई सिद्धियां प्राप्त की जाती है जबकि वास्तव में यह सब परिकल्पनाएं ही हैं, जादू ङ्क टोने का कोई अस्तित्व नहीं है तथा कोई महिला टोनही नहीं होती। पहले जब बीमारियों व प्राकृतिक आपदाओं के संबंध में जानकारी नहीं थी तब यह विश्वास किया जाता था कि मानव व पशु को होने वाली बीमारियां जादू-टोने से होती है। बुरी नजर लगने से, देखने से लोग बीमार हो जाते है तथा इन्हें बचाव के लिए गांव, घर को तंत्र-मंत्र से बांध देना चाहिए तथा ऐसे में कई बार विशेष महिलाओं पर जादू-टोना करने का आरोप लग जाता है वास्तव में सावन माह में बरसात होने से वातावरण का तापमान अनियमित रहता है, उसम, नमी के कारण बीमारियों को फैलाने वाले कारकों बैक्टीरिया व कीटाणु अनुकूल वातावरण पाकर काफी बढ़ जाते है। गंदगी, प्रदूषित पीने के पानी, भोज्य पदार्थ के दूषित होने, मक्खियां, मच्छरो के बढने से बीमारियां एकदम से बढ़ जाती है। जिससे गांव गांव में आंत्रशोध, पीलिया, वायरल फिव्रर, मलेरिया के मरीज बढ़ जाते है तथा यदि समय पर ध्यान नहीं दिया गया हो तो पूरी बस्ती ही मौसमी संक्रामक रोगों की शिकार हो जाती है। वहीं हाल फसलों व पशुओं का भी होता है, इन मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए पीने का पानी साफहो, भोज्य पदार्थ दूषित न हो, गंदगी न हो, मक्खियां, मच्छर न बढ़े,जैसी बुनियादी बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां रखने से लोग पशु बीमारियों से बचे रह सकते है। इस हेतु किसी भी प्रकार के तंत्र-मंत्र से घर, गांव बांधने की आवश्यकता नहीं है। कोरोना तथा अन्य संक्रमणों से बचाव के लिए साफ-सफाई,सावधानी, मास्क पहिनना, सोशल डिस्टेन्स रखना ,बार बार हाथ धोना अधिक आवश्यक है, इसके बाद यदि कोई व्यक्ति इन बीमारियों से संक्रमित हो तो उसे फौरन चिकित्सकों के पास ले जाये, संर्प दंश व जहरीले कीड़े के काटने पर भी चिकित्सकों के पास पहुंचे।

डॉ. मिश्र ने कहा पिछले कुछ वर्षो से यह देखा जा रहा है कि हरेली अमावस्या को दिन में भी बच्चे व कई लोग जादू-टोने व नजर लगने से बचने के लिए नीम की टहनी, साइकिलों, रिक्शे व गाड़ियों में लगातार घूमते दिखाई देते है। पालकों व शिक्षकों को बच्चों को ऐसे अंधविश्वास से बचने की सलाह देना चाहिए। नीम की टहनी तोड़-तोड़कर वृक्ष को नुकसान पहुंचाने के बजाय घर के आसपास नीम के पौधे लगाये ताकि वातावरण शुद्ध हो। बीमारियों से बचने के लिए साफ-सफाई, पानी को छानकर, उबालकर पीने, प्रदूषित भोजन का उपयोग न करने तथा गंदगी न जमा होने देने जैसी बातों पर लोग ध्यान देंगे तथा स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहेंगे तो तंत्र-मंत्र से बांधनें की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बीमारियों खुद-ब-खुद नजदीक नहीं फटकेंगी, मक्खियां व मच्छर किसी भी कथित तंत्र-मंत्र से अधिक खतरनाक है

डॉ. मिश्र ने कहा हरेली अमावस्या पर भी अंधविश्वास, जादू-टोने, टोनही की मान्यता के विरोध में जरूरी चलाया जा रहा ''कोई नारी टोनही नहीं अभियान'' जारी रहेगा। जिसमें टोनही, भूत-प्रेत का खौफमिटाने के लिए व भ्रम दूर करने के लिए समिति के सदस्य रात्रि में भ्रमण कर ग्रामीणों से सम्पर्क कर भ्रम व अंधविश्वास दूर कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करेंगे।

पूरे प्रदेश में कांग्रेस का आर्थिक नाकेबंदी शांतिपूर्ण रहा-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

0 केंद्र और राज्य सरकार पर जल जंगल और जमीन बेचने का गंभीर आरोप

रायपुर, (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि आज केंद्र और राज्य सरकार की जनविरोधी एवं आर्थिक नीतियों के विरोध में आयोजित आर्थिक नाकेबंदी का कार्यक्रम पूरे राज्य में सफल रहा। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा अडानी और अंबानी को राज्य के जल जमीन और जंगल दिये जाने के विरोध में आज हमने शांतिपूर्वक बंद का आव्हान किया है। यह पूरे प्रदेश में सफल रहा है। दीपक बैज ने बताया कि उन्होंने बस्तर में मोर्चा संभाला यहां पर कांग्रेस के पार्षद एवं विधायकों ने भाग लिया तथा इसे सफल बनाया। पूरे प्रदेश में इसके सफल होने की खबरें आ रही है। कांग्रेस में इसके लिए अलग अलग प्रभारी बनाए थे। अभनपुर में धनेंद्र साहू को इसका प्रभारी बनाया गया। धनेंद्र साहू ने बताया कि अभनपुर ब्लाक में यह कार्यक्रम सफल रहा। उन्होंने बताया कि अभनपुर में सभी कांग्रेसजनों ने सहयोग प्रदान किया है। राजधानी रायपुर में भी विकास उपाध्याय ने मोर्चा संभाला। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम सफल रहा। कांग्रेस के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में भी काफी सफलता मिली है। यदपि किसान कृषि कार्य में व्यस्त है लेकिन कार्यकर्ताओं ने पूरा सहयोग प्रदान किया है। दुर्ग,भिलाई, राजनांदगांव, बस्तर अंबिकापुर से भी इसके सफल होने की जानकारी दी है। अंबिकापुर कांग्रेस कमेटी के बालकृष्ण पाठक ने बताया कि यह कार्यक्रम सफल रहा है। दीपक बैज ने बताया कि राज्य में बिजली की दरों में वृद्धि तथा डीएपी खाद तथा अन्य समस्याओं को लेकर इस समय नागरिक परेशान है। आगे भी हमारा धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

आतंकवाद से निपटने विशेषज्ञों का जोर

आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई देशों के दरम्यान क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने जोर दिया।

नेपाल अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सहभागिता संस्थान की तरफ से आयोजित 'दक्षिण एशिया में आतंकवाद - क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी में यह कहा गया। सीमापार आतंकवादी गतिविधियां रोकने, धनशोधन पर अंकुश लगाने के साथ ही दक्षिण एशिया के आतंकवादी कृत्यों की निंदा की गई। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के नेपाल को पारगमन के तौर पर प्रयोग करने पर भी चिंता व्यक्त की गई। आतंकवाद केवल एशियाई देशों की विकराल समस्या नहीं है। यह वैश्विक संकट है। ताकतवर देशों से ऐसी नीतियां लागू करने को कहा जा रहा है, जिनके बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठनों से निपटा जा सके। आतंकवादियों के हमले दिनोंदिन घातक होते जा रहे हैं।

महिलाओ का विशेष व्रत हरियाली तीज

पं. चन्द्रभूषण शुक्ला , संस्कृत भाषा के प्रचारक

हरियाली तीज हिंदू महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जिसे कजरी तीज और हरतालिका तीज के जैसे मनाया जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार , यह त्यौहार श्रावण (सावन) के महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया (तीसरे दिन) को मनाया जाता है। हरियाली तीज के दौरान विवाहित महिलाएं अपने पति की सलामती और लंबी उम्र की प्रार्थना करने के लिए व्रत रखती हैं।

तीज के बारे में कुछ महत्वपूर्ण विवरण इस प्रकार हैं - हरियाली तीज श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाई जाती है, जिसे सिंधारा तीज भी कहा जाता है। इस हरियाली तीज को सावन तीज, छोटी तीज और मधुश्रवा तीज के नाम से भी जाना जाता है जो मानसून के मौसम में मनाई जाती है, जिसका प्रतीक है हरा-भरा वातावरण। यह त्यौहार विवाहित हिंदू महिलाओं के लिए करवा चौथ के समान महत्व रखता है। यह त्यौहार देवी पार्वती और भगवान शिव के साथ उनके मिलन को समर्पित है । यह उस दिन की याद में मनाया जाता है जब शिव ने पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था, जिसके कारण पार्वती को 'तीज माता' के रूप में जाना जाने लगा। हरियाली तीज उत्तर भारतीय राज्यों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है, जिसे पंजाब में तीयां और राजस्थान में सिंधारा तीज के नाम से जाना जाता है। यद्यपि क्षेत्रीय उत्सवों में थोड़ा अंतर हो सकता है, फिर भी त्योहार की भावना एक समान रहती है।

महामाया मन्दिर के ज्योतिषी एवं भागवताचार्य पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि हरियाली तीज में एक परंपरा है जिसमें विवाहित महिलाएं अपने ससुराल वालों से पारंपरिक कपड़े, चूड़ियां, मेहंदी, सिंदूर और मिठाई जैसे उपहार प्राप्त करती हैं। महिलाएं आमतौर पर हरे रंग के लहंगे या साड़ी पहनती हैं, क्योंकि ये श्रृंगार विवाह का प्रतीक हैं और इन्हें शुभ माना जाता है। हिंदू परंपराओं के अनुसार, माना जाता है कि सभी 16 श्रृंगार पहनने से महिला के पति की बुरी शक्तियों से रक्षा होती है। सिंधारा' उपहार देने की यह प्रथा नवविवाहितों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इसके बाद महिलाए हरियाली तीज मनाने के लिए अपने मायके जाती हैं। उत्सव के दौरान स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए जाते हैं और सभी लोग उनका आनंद लेते हैं।

राजस्थान राज्य में अनेक जगह देवी पार्वती या तीज माता की यात्राएं (शोभायात्रा निकाली जाती है। हरियाणा में हरियाली तीज पर सरकारी अवकाश रहता है और स्थानीय सरकार इस दिन को रंगारंग तरीके से मनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित करती है। हरियाली तीज के दौरान हाथों और पैरों में मेंहदी सजाना उत्सव का मुख्य आकर्षण रहता है। ऐसा माना जाता है कि पति के स्नेह की गहराई मेहंदी के गहरे रंग में झलकती है, क्योंकि मेहंदी का गहरा रंग अधिक प्रेम का प्रतीक है। कुछ क्षेत्रों में, महिलाएं अपने प्रेमी या पति का नाम मेंहदी से लिखती हैं। श्रावणी तीज में वट वृक्ष की परंपरा महत्वपूर्ण है। वट वृक्ष की शाखाओं पर या घरों में झूले डाले जाते हैं। महिलाएं दिनभर झूला झूलती हैं, नृत्य करती हैं और दूसरों के साथ गाना, भजन गाती हैं तथा आनंद मनाने की पूरी स्वतंत्रता का आनंद लेती हैं।

संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चन्द्रभूषण शुक्ला ने बताया कि हिंदू पौराणिक मान्यता अनुसार बरगद का पेड़ पवित्र है, यह ज्ञान का प्रतीक है और हरियाली तीज पर इसकी पूजा करना शुभ माना जाता है। हरियाली तीज के दौरान महिलाएं कठोर 'निर्जला व्रत' रखती हैं, जिसमें वे पूरे दिन भोजन और जल से परहेज करती हैं, जैसे हमारे तरफभाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष तृतीया मे हरतालिका तीज मनाया जाता है। यह व्रत विवाहित और अविवाहित दोनों महिलाएं रखती हैं। महिलाएं अपने पति की समृद्धि और कल्याण के लिए तीज माता (देवी पार्वती) से प्रार्थना करती हैं। इस त्यौहार में भक्ति गीतों के साथ भगवान शिव और देवी पार्वती की मूर्तियों की पूजा की जाती है।

वृंदावन के कृष्ण मंदिरों में यह व्रत उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, जहां भगवान के लिए झूले लगाए जाते हैं, जिसे 'झूलन लीला' कहा जाता है। मंदिरों में धार्मिक भजन और गीत गाए जाते हैं और भक्तजन उत्साहपूर्वक उत्सव मनाते हैं। भगवान कृष्ण और राधा की मूर्तियों को आभूषणों से सजाया जाता है और मानसून के आगमन के संकेत के रूप में भक्तों पर पानी की वर्षा की जाती है।

मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

11 जुलाई 2006 को मुंबई की भीड़भरी लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया था। पीडित परिवारों के साथ-साथ जन-जन को आहत किया था। 7 जगहों पर हुए इन धमाकों में 187 निर्दोष लोगों की जान गई और 824 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भारत के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था। लेकिन इन बम धमाके को लेकर सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया, कोर्ट ने विशेष मकोका अदालत की ओर से 12 अभियुक्तों को दी गई सजा को गैरकानूनी करार दिया। इन सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ-साथ चिन्ता भी पैदा करता है। इसीलिये करीब 19 साल बाद आए अदालत के इस फैसले को लेकर न केवल कानूनी दायरे में, बल्कि सामाजिक व नैतिक दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

लम्बी न्यायिक प्रक्रिया एवं जांच के बाद 2015 में मुंबई की विशेष मकोका अदालत ने 12 अभियुक्तों को दोषी करार दिया, जिसमें से 5 को फांसी और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह फैसला लगभग 8 वर्षों की सुनवाई, 250 से ज्यादा गवाहों और हजारों पन्नों की गवाही के बाद आया। लेकिन 2023 और फिर 2025 में कुछ सिविल सोसाइटी संगठनों, मानवाधिकार समूहों और कुछ कानूनी विशेषज्ञों ने फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ दोषियों को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया, पुलिस की जांच पक्षपातपूर्ण रही और कई जगह कानून के दायरे का अतिक्रमण किया गया। इसी को आधार बनाकर हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ायी, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर एवं लापरवाहीपूर्ण जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही एवं कौताही बरती गई।

कानून की दृष्टि में अपराध केवल घटना नहीं, उस घटना के पीछे की मंशा, सबूतों की पुष्टि, प्रक्रिया की शुद्धता और निष्पक्षता का भी मूल्यांकन करता है। ÷दोषी को सजा मिलनी चाहिए÷-यह एक सार्वभौमिक सिद्धांत है, लेकिन ÷निर्दोष को दंड न मिले÷-यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। भारतीय दंड संहिता, मकोका और गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) जैसे सख्त कानून आतंकवाद से निपटने के लिए बनाए गए, लेकिन इनका उपयोग अक्सर राजनीतिक प्रभाव, मीडिया ट्रायल, या जनभावनाओं को शांत करने के लिए किया गया है। ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में अनेक ज्वलंत सवाल खड़े हुए हैं कि क्या सभी दोषियों को वास्तव में पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दोषी ठहराया गया है? यदि नहीं, तो यह न्याय व्यवस्था के लिए एक गंभीर प्रश्न है। क्या पुलिस या जांच एजेंसियों ने निष्पक्ष जांच की? कई बार जांच एजेंसियों पर 'नतीजे पहले, जांच बाद में' का आरोप लगा है। क्या विशेष अदालतों का गठन निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करता है या त्वरित दंड की नीति अपनाता है? क्या कानून केवल सख्ती का पर्याय बन गया है या उसमें मानवीय संवेदना का स्थान है? क्या मीडिया ट्रायल ने वास्तविक न्याय को प्रभावित किया? इन प्रश्नों के उत्तर मिलना ही चाहिए।

देश के सामने आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की चुनौती है, तो वहीं न्याय की नैतिकता बनाए रखने की भी जिम्मेदारी है। अगर कानून का इस्तेमाल अन्याय के लिए किया गया, तो आतंकवाद के खिलाफजंग की नैतिकता ही सवालों में पड़ जाएगी। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि नैतिक और विधिसम्मत संतुलन का नाम है। जो निर्दोष है, उसे दोषमुक्त करना और जो दोषी है, उसे यथोचित दंड देना- यही कानून का आदर्श उद्देश्य है। मुंबई बम धमाके जैसी वीभत्स घटनाएं देश के लिए चुनौती हैं, लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के नाम पर अगर हम न्याय और कानून के मूलभूत सिद्धांतों से समझौता करते हैं, तो हम एक असुरक्षित और अन्यायपूर्ण समाज की नींव रखेंगे। आवश्यक है कि न्याय केवल न्यायालयों की प्रक्रिया न रहे, वह जनविश्वास का प्रतीक बने।

एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है। ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें निचली अदालतों में दिये गये मौत की सजा को ऊपरी अदालतों ने बदल दिया। जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज होते हुए बार-बार देखे गये हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए कहा कि 'जब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।' दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना न केवल न्याय प्रक्रिया पर बल्कि जांच एजेंसियों पर सवाल पैदा करता है। प्रश्न है कि अगर 12 लोग निर्दोष थे तो इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी क्यों जीते रहे? अगर ये दोषी थे तो जांच इतनी कमजोर क्यों हुई? यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है।

यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। अब मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र सरकार लोकल ट्रेन बम धमाके में आरोपियों को निर्दोष छोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की है। देश उम्मीद करता है कि इस बार तथ्यों को सही ढंग से रखा जाएगा। यह केवल एक केस नहीं, न्याय व्यवस्था पर आम लोगों के यकीन का मामला है।

भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। न्याय सिर्फहोना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये। **यह निजी विचार है**

मोबाइल के जरिए ई-मतदान

प्रमोद भार्गव

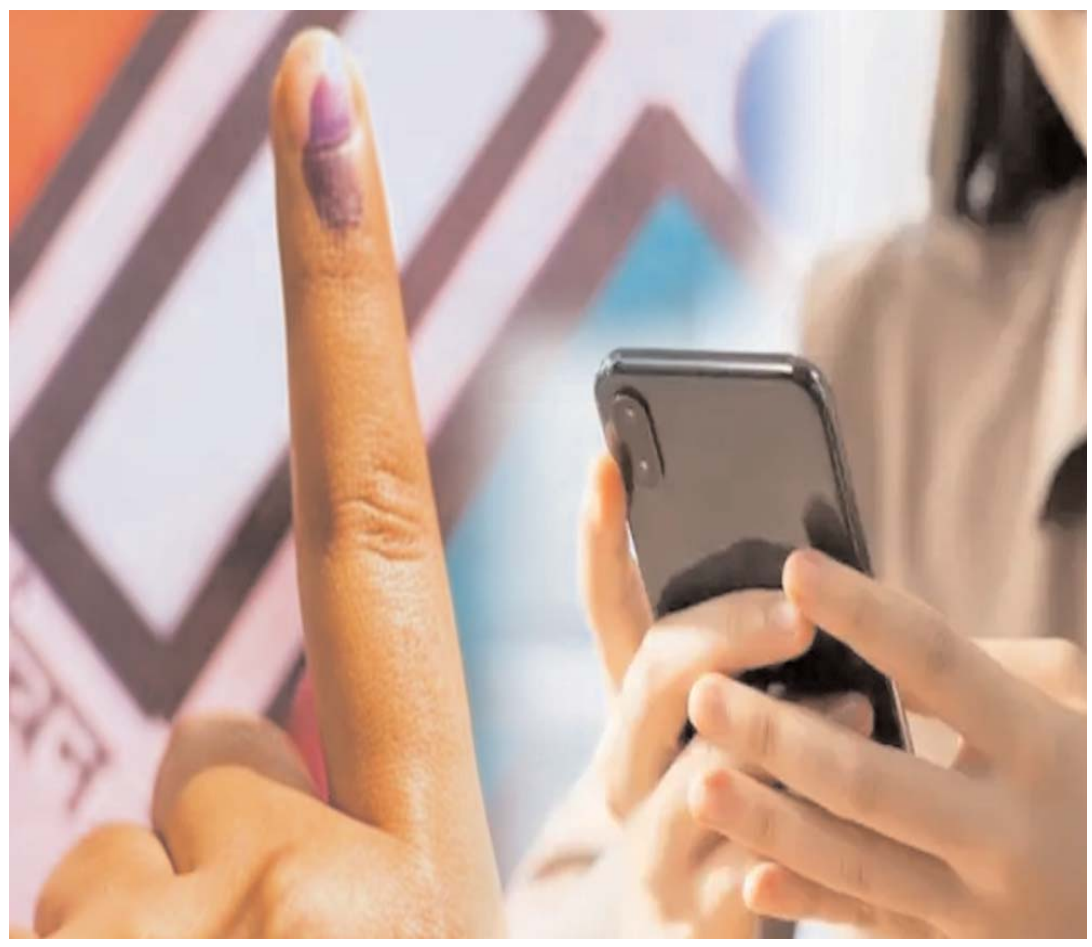

देशमें मतदान के प्रति अरुचि प्रत्येक चुनाव में देखने में आती रही है। रोगग्रस्त या लाचारों को तो छोड़िए, उच्च शिक्षित वर्ग भी मतदान के प्रति सबसे ज्यादा उदासीन रहता है।

वैसे तो निर्वाचन आयोग मतदान का प्रतिशत और सुविधापूर्ण मतदान के लिए अनेक प्रयोग करता रहा है, लेकिन अब बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय के उपचुनाव में पहली बार ई-वोटिंग का प्रयोग करके इतिहास रच दिया है। मोबाइल से ई-मतदान की सुविधा के चलते बिहार के इस चुनाव में 80.60 प्रतिशत और उपचुनाव में 58.38 प्रतिशत मतदाताओं ने मोबाइल के जरिए मतदान किया। पहली महिला ई-वोटर विभा कुमारी और पहले पुरुष मतदाता मुन्ना कुमार बने। राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. दीपक प्रसाद ने मोबाइल से ई-मतदान कराए जाने की प्रेरणा यूरोपीय देश एस्टोनिया से ली थी।

चूंकि अब ई-वोटिंग का सफल प्रयोग हो चुका है, इसलिए भविष्य में इसका उपयोग बढ़ेगा। जो गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, विकलांग, असाध्य रोगों से ग्रसित और अपने मतदान स्थल से दूर रहने वाले लोग मतदान से वंचित रह जाते थे, उन्हें अब लोकतंत्र के इस महायज्ञ में भागीदार बनने की आसान सुविधा मिल जाएगी। समस्या का सामाधान बिना अतिरिक्त खर्च के हो जाएगा। चूंकि मतदान केंद्रों पर विभिन्न दलों का जमावड़ा नहीं होगा इसलिए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान की संभावना बढ़ जाएगी। मतदान की निजता भी प्रभावित नहीं होगी। मतदान के प्रतिशत में आशातीत सुधार तो होगा ही जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की संभावनाएं भी न्यूनतम हो जाएंगी। ई-वोटिंग का काम पूर्वी चंपारण जिले की नगर पंचायत पकड़ी दयाल के अलावा पटना, बक्सर, रोहतास, सारण और बांका में सी-डैक और एसईआर के जरिए किया गया था।

बिहार के उपचुनाव में मोबाइल एप से ई-वोटिंग की प्रक्रिया प्रमाणित हो चुकी है। ई-वोटिंग को इसलिए भी अपनाया जाए क्योंकि पोस्टल वोटिंग का वैधानिक प्रावधान पहले से ही है। मतदान संपन्न कराने में जुटे कर्मचारी अपना वोट पोस्टल वोटिंग के जरिए ही देते हैं। अब कोई राजनीतिक दल और नेता बहाना नहीं बना सकता है कि इंटरनेट या बिजली की सुविधा दुर्गम क्षेत्रों में नहीं है। बिजली भले ही प्रत्येक गांव में न हो, लेकिन सौर ऊर्जा से बिजली और मोबाइल टॉवर गांव-गांव पहुंच गए हैं। इनके जरिए इंटरनेट की सुविधा हासिल कराई जा रही है। सौर जैसी वैकल्पिक ऊर्जा दूरदराज के गांवों में बिजली उपलब्ध करा रही है। फिर भी किसी गांव में बिजली नहीं है तो वहां ईवीएम के जरिए मतदान कराया जाए। हालांकि मोबाइल से ई-वोटिंग को लेकर कुछ नेता संदेह जता रहे हैं। उनका कहना है कि मोबाइल एप पर पंजीकरण में कठिनाई आएगी। गांव के प्रभावीशाली लोग दबाव बना कर फर्जी मतदान भी करा सकते हैं।

चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि 45 करोड़ लोग पलायन के चलते मतदान से वंचित हो जाते हैं। इस नजरिए से प्रवासियों के लिए ई-वोटिंग उपयोगी है। हालांकि चुनाव सुधार की दृष्टि से चुनाव आयोग ने घर से दूर रहने वाले अर्थात दूरस्थ मतदाताओं के लिए रिमोट वोटिंग सिस्टम (आरवीएस) तैयार किया है। इस मशीन की मदद से मूल मतदान स्थल से दूर दूसरे राज्य या शहर में रहने वाले मतदाता लोक सभा और विधानसभा चुनाव में मत का प्रयोग कर सकते हैं यानी मतदान के लिए उन्हें अपने मूल निवास स्थल पर आने की जरूरत नहीं रह गई हैं। आयोग द्वारा इसे लागू करने से पहले आने वाली कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर राजनीतिक दलों के विचार भी आमंत्रित किए जाएंगे। चुनाव सुधार की दृष्टि से यह पहल अमल में आती है तो ऐतिहासिक होगी। नतीजतन, उन 45 करोड़ लोगों को वोट डालने का अवसर मिलेगा जो अपने घरों से दूर रहते हैं।

अनेक चुनाव विशेषज्ञ इस प्रणाली को क्रांतिकारी पहल मान रहे हैं। बेशक, आरवीएम की परिकल्पना क्रांतिकारी है। आईआईटी, मद्रास की मदद से 'मल्टी कॉन्स्टीचुएंसी रिमोट ईवीएम' के रूप में ऐसा मतदान उपकरण तैयार किया गया है, जो एक रिमोट मतदान केंद्र से 72 निर्वाचन क्षेत्रों में प्रवासियों का मतदान कराने में सक्षम होगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आदर्श स्थिति यही है कि हरेक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे। इस नाते 2005 में भाजपा के एक सांसद लोक सभा में 'अनिवार्य मतदान' संबंधी विधेयक लाए भी थे लेकिन समर्थन नहीं मिल पाने के कारण यह विधेयक पारित नहीं हो सका। कांग्रेस और अन्य दलों ने इस विधेयक के विरोध का कारण बताया था कि दबाव डाल कर मतदान कराना संविधान की अवहेलना है क्योंकि संविधान में मतदान करना मतदाता का स्वैच्छिक अधिकार तो है, लेकिन वह इस कर्तव्य-पालन के लिए बाध्यकारी नहीं है। लिहाजा, वह इस राष्ट्रीय दायित्व को गंभीरता से न लेते हुए उदासीनता बरतता है।

हमारे यहां आर्थिक रूप से संपन्न-सुविधा भोगी जो तबका है, वह अनिवार्य मतदान को संविधान में दी निजी स्वतंत्रता में बाधा मानते हुए इसका मखौल उड़ाता है। मतदान की अनिवार्यता अथवा ई-वोटिंग या आरवीएम से सुविधा का मतदान कथित अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को 'वोट बैंक' की लाचारगी से भी छुटकारा दिलाएगा। राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की राजनीति से निजात मिलेगी क्योंकि जब प्रवासियों को आरवीएम से मतदान की सुविधा मिल जाएगी तो किसी धर्म, जाति या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत खत्म हो जाएगी। नतीजतन, उनका संख्या बल जीत-हार को प्रभावित नहीं कर पाएगा। लिहाजा, सांप्रदायिक और जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की जरूरत नगण्य हो जाएगी। जब पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की छाया थी, तब वहां हुए विधानसभा चुनावों में 15 से 20 प्रतिशत मतदान से ही सरकारें बनती रही हैं। साफ है कि यह स्थिति लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। अधिकतम मतदान के हालात ई-वोटिंग एवं आरवीएम के इस्तेमाल से निर्मित होते हैं, तो भारतीय राजनीति संविधान के उस सिद्धांत का पालन करती दिखेगी जो सामाजिक न्याय और समान अवसर की बात कहता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

विकास की अवधारणा और अशिक्षा और अंधविश्वास

संजीव ठाकुर

आश्चर्य की बात है कि आज के प्रगतिशील वैज्ञानिक युग में विज्ञान और टेक्नोलॉजी से शिक्षित जनमानस भी अंधविश्वास और रूढ़िवादिता का अंधभक्त और अनुयाई हो गया है। अंधविश्वास का आलम भारत में नहीं ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा,रूस, इसराइल और तमाम अन्य यूरोपीय देशों में व्याप्त है। अमेरिका तथा ब्रिटेन में 13 नंबर को अत्यंत अशुभ माना जाता है। भारत में यदि बिल्ली रास्ता काट जाए तो व्यक्ति उस तरफ न जाकर दूसरे रास्ते से जाना पसंद करता है। मकान में वास्तु दोष दूर करने के लिए अनावश्यक तोड़फोड़ और सुधार के लिए लाखों खर्च किए जाते हैं। यह अंधविश्वास का एक जीता जागता प्रमाण है। वास्तु दोष तथा अंधविश्वास को मानने वाले 90त्न शिक्षित युवा इस मकड़ जाल में फंसे हुए हैं। अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी हैद्य यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात हैद्य यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही हैद्य

शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जो पद्धति आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता हैद्य उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफशिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक हैद्य शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिएद्य बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है। ऐसे तंत्र मंत्र और भविष्य के दर्शन कराने वाले तांत्रिकों का विज्ञापन न सिर्फ बड़े-बड़े अखबारों में बल्कि स्थापित टीवी चैनलों में भी खुल कर दिया जाता है जिससे न सिर्फ अनपढ़, अंधविश्वासी बल्कि शिक्षित लोग भी झांसे में आकर बड़ी धनराशि से हाथ धो बैठते हैं। **यह निजी विचार है।**

भारतीय रक्षा संपदा सेवा, सैन्य अभियंता सेवा और केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

पीआईबी। भारतीय रक्षा संपदा सेवा, सैन्य अभियंता सेवा और केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने आज (23 जुलाई, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुलाकात की।

भारतीय रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति महोदया ने कहा कि तीव्र प्रौद्योगिकी संबंधी परिवर्तन के इस दौर में डिजिटल समाधानों का एकीकरण एक आवश्यकता है। प्रौद्योगिकी संबंधी प्रगति से अवगत रहना और उन्हें अपने कामकाज में लागू करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन-आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह इमेजरी और संपत्ति रिकॉर्ड रखरखाव के लिए ब्लॉकचेन अब भविष्य की अवधारणाएं नहीं हैं, वे शासन का हिस्सा बन रहे हैं। श्री मती मुर्मु ने अधिकारियों को सलाह दी कि वे बुनियादी ढांचा विकास में हरित प्रथाओं को अपनाएं, नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाएं, अपव्यय को कम करें और छावनियों में जल संरक्षण सुनिश्चित करें।

सैन्य अभियंता सेवा (एमईएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य निर्माण के क्षेत्र में उभरते नेतृवकर्ताओं के रूप में युवा एमईएस अधिकारियों की न केवल निर्माण करने की, बल्कि जिम्मेदारी के साथ निर्माण करने की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि उन्हें सतत विकास को बढ़ावा देने और रक्षा बुनियादी

ढांचे के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप एमईएस 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी सामग्री और प्रौद्योगिकियों के उपयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

कण-कण में राम न केवल एक उत्कृष्ट दृश्य कृति है, बल्कि रामायण में निहित सार्वभौमिक मूल्यों का एक सांस्कृतिक संग्रह भी है-श्री गजेन्द्र सिंह

पीआईबी

कला एवं सांस्कृतिक धरोहर के लिए भारतीय राष्ट्रीय ट्रस्ट (इन्टैच) ने 23 जुलाई 2025 को इन्टैच मल्टी-पर्पज हॉल, नई दिल्ली में अपनी डॉक्यूमेंट्री फि ल्म ÷कण-कण में राम÷ की रिलीज के लिए एक विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ वरिष्ठ अधिकारियों, विद्वानों और आमंत्रित अतिथियों ने भाग लिया।

स्क्रीनिंग के बाद अपने मुख्य भाषण में, श्री शेखावत ने इन्टैच के प्रामाणिक शोध और रचनात्मक कार्य की सराहना की। उन्होंने फिल्म को न केवल दृश्यात्मक रूप से एक उत्कृष्ट कृति बताया, बल्कि रामायण में निहित सार्वभौमिक मूल्यों का एक सांस्कृतिक संग्रह भी कहा। उन्होंने इस बात की सराहना की कि वृत्तचित्र में रामायण को न केवल पौराणिक कथाओं के रूप में बल्कि एक जीवंत परंपरा के रूप में दर्शाया गया है, जो भारतीय पहचान के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। केन्द्रीय मंत्री ने विरासत संरक्षण में इन्टैच की चार दशक लंबी विरासत का हवाला देते हुए भारत के वर्तमान सांस्कृतिक पुनर्जागरण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया। जल शक्ति मंत्रालय में अपने पहले के अनुभव पर विचार करते हुए उन्होंने गंगा सांस्कृतिक दस्तावेजीकरण परियोजना में इन्टैच के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की, जो भारत के सांस्कृतिक पदचिह्नों को समझने और संरक्षित करने के

लिए इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, विशेष रूप से गंगा बेसिन के साथ।

केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का इंटैच के अध्यक्ष श्री अशोक सिंह ठाकुर, इंटैच के सदस्य सचिव श्री रविन्द्र सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त) और इंटैच के अन्य अधिकारियों ने पूरे उत्साह के साथ स्वागत किया। श्री ठाकुर ने कहा कि इंटैच के कार्य क्षेत्र में मूर्त, अमूर्त और प्राकृतिक विरासत में विविध पहलों की एक पूरी श्रृंखला के साथ-साथ स्कूलों, शिल्प और प्रकाशनों के साथ काम करना शामिल है, ताकि हमारी गौरवशाली विरासत का उचित प्रचार और प्रसार सुनिश्चित किया जा सके। यह वृत्तचित्र भारत में रामायण के विभिन्न रूपों पर गहन दृष्टि डालता है, जिसमें अनुष्ठानिक प्रदर्शन, नृत्य-नाटिका और कठपुतली जैसे विविध रूप शामिल हैं। इन उल्लेखनीय परम्पराओं में कर्नाटक का यक्षगान और उप्पिनिकुद्र कठपुतली, ओडिशा में लंका पोडी यात्रा और रावण छाया, असम में सत्रिया परम्परा, मेवाती भपंग प्रदर्शन और छत्तीसगढ़ में रामनामी समाज शामिल हैं। यह फिल्म रामायण की सांस्कृतिक विविधता और स्थायी विरासत का उत्सव मनाती है जिसे भारत की प्रदर्शन कलाओं के नज़रिए से देखा जाता है।

पटना में मानसून के दौरान गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण बाढ़ जैसे हालात के बीच लोग सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं। बिहार के कई जिलों में रविवार को बाढ़ जैसे हालात को लेकर अलर्ट जारी किया गया।

मुंबई में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर बारिश के कारण वाहन जाम में फंसे।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत के कोयला आयात में आई 20.91 मिलियन टन की कमी : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली । भारत का कोयला आयात वित्त वर्ष 2024-25 में इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 20.91 मिलियन टन कम रहा है। इससे देश को 60,681.67 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत करने में मदद मिलेगी। यह जानकारी केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी.किशन रेड्डी की ओर से संसद में दी गई। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2024-25 के दौरान देश में कुल 243.62 मिलियन टन (एमटी) कोयला आयात किया गया, जबकि 2023-24 में यह 264.53 मिलियन टन था। उन्होंने कहा कि देश में कोयले की अधिकांश आवश्यकता स्वदेशी उत्पादन से पूरी होती है। कोयला मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2029-30 तक लगभग 1.5 बिलियन टन का महत्वाकांक्षी घरेलू कोयला उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया है। सरकार का ध्यान कोयले के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने और गैर-जरूरी कोयले के आयात को कम करने पर है। कोयला मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2029-30 तक कोयला उत्पादन में वृद्धि के अनुमान को ध्यान में रखते हुए, देश में कोयला खनन आसान बनाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के उद्देश्य से फरवरी 2024 में कोयला रसद योजना और नीति भी शुरू की थी।

सफलता का मूल सूत्र है संयम : समणि ज्योति प्रज्ञा

केसिंगा - स्थानीय तेरापंथ भवन में आचार्य महाश्रमण जी के विशेष अनुकंम्पा से यहां पर विराजमान समणी निर्देशिका ज्योति प्रज्ञा जी एवं समणी मानस प्रज्ञा जी के सानिध्य में तेरापंथ भवन में तूसरा निवासी श्री तुलसी राम जी के परिवार से दो भाइयों ने सर्व भारतीय नीट एग्जाम में अपना सफ्लता प्राप्त की है इन दोनों भाइयों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को देखते हुए स्थानीय भवन में इन्हें सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में उड़ीसा तेरापंथ महासभा के अध्यक्ष श्री मनोज जी जैन, निवर्तन माण अध्यक्ष भाई मुकेश जैन ,उड़ीसा महासभा के महासचिव एवं कई भाई बहन इस कार्यक्रम में उपस्थित थे ।इन दोनों भाइयों को उड़ीसा महासभा की ओर से एवं स्थानीय सभा की ओर से विशेष सम्मान किया गया। तुसरा निवासी श्री तुलसीराम जी के बारे में सभी ने

भूरी भूरी प्रशंसा की है श्री तुलसीराम जी एक साहित्यकार एक लेखक समाज और तेरापंथ धर्म संघ के प्रति आस्था रखने वाले सारा जीवन धर्म संघ के प्रति समर्पित रहना एवं लोगों को प्रेरणा देना उनका जीवन का मूल उद्देश्य रहा है । इन दोनों भाइयों के माता-पीता का भारी योगदान रहा है भाई राकेश कुमार जैन एवं श्रीमती सीमा जैन है ।भाई रिजूल जैन ऑल इंडिया मे नीट एग्जाम में 47 रेंक पाकर के नई कीर्तिमान स्थापित की है एवं भाई सुब्रत जैन ने ऑल इंडिया में 1675 रेंक प्राप्त की है।

इस कार्यक्रम में कई भाइयों बहनों ने अपना अपना विचार रखा जैसे की भाई मुकेश कुमार, रामनीवास जैन, तुलसीराम जैन, नीलम जैन, स्थानीय सभा के अध्यक्ष रामकुमार जैन इन सभी ने इन दोनों भाइयों का सफ्लता के लिए उनके परिवार के माता-पिता बाबा दादी एवं तेरापंथ धर्म संघ के गुरुवर के प्रति विशेष आशीर्वाद एवं प्रेरणादाई बताया। उनके उज्जवल भविष्य के लिए प्रभु से कामना की। सर्व भारत में इस तरह नेइ कीर्तिमान जाहिर करके इन दोनों भाइयों ने अपने परिवार के साथ पूरे राज्य का नाम रोशन किया है। समणी मानस प्रज्ञा जी ने फरमाया कि हम होंगे कामयाब एक दिन इस सूत्र को लेकर के अगर कोई आगे चलेगा तो वह निश्चय ही सफ्लता पाएगा। समणी ज्योति प्रज्ञा जी ने अपने भाषण में कहा कि डॉक्टर बनना कोई सहज काम नहीं है उन्होंने अपने विचार में कहा की डॉक्टर का मूल काम है कि मरीज को

अच्छे से निरीक्षण करना एवं उसके स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना एवं इसका मुख्य उपचार करना इस कार्यक्रम का संचालन भाई अभिषेक जैन ने किया।

भारत का अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सहयोग

पीआईबी

61 देशों और पांच बहुपक्षीय निकायों के साथ अंतरिक्ष सहयोग दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सहयोग के प्रमुख क्षेत्र उपग्रह सुदूर संवेदन, उपग्रह नेविगेशन, उपग्रह संचार, अंतरिक्ष विज्ञान और ग्रह अन्वेषण तथा क्षमता निर्माण हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) पहले से ही अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) के साथ मिलकर 'निसार (नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार)' नामक एक संयुक्त उपग्रह मिशन पर काम कर रहा है, जो अपने अंतिम चरण में है। इसरो, सीएनईएस (फ्रांसीसी राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी) के साथ मिलकर 'तृष्णा (उच्च विभेदन प्राकृतिक संसाधन आकलन के लिए थर्मल इन्फ्रारेड इमेजिंग सैटेलाइट)' नामक एक संयुक्त उपग्रह मिशन पर काम कर रहा है, जो अपने प्रारंभिक चरण में है। इसरो और जाक्सा (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी) ने एक संयुक्त चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण मिशन को साकार करने के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन किया है। इसरो ने अपने अंतरिक्ष यात्री को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने के लिए नासा और एक्सिओम स्पेस के साथ भी सहयोग किया है।

अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर मिशन शुरू करने के लिए निजी क्षेत्र को दी गई सहायता का विवरण नीचे दिया गया है: गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीई) को पूर्ण अंतरिक्ष गतिविधियों में संलग्न होने की अनुमति देने के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र को उदार बनाया गया है। एनजीई की गतिविधियों को बढ़ावा देने, सक्षम बनाने, अधिकृत करने और पर्यवेक्षण करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र की स्थापना की गई है।

नियामक स्पष्टता सुनिश्चित करने और एक संपन्न अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए मानदंड, दिशानिर्देश और प्रक्रिया (एनजीपी) और एफ्डीआई नीति के साथ भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 तैयार की गई है। अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्ट-अप और एनजीई का समर्थन करने के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने निधि, अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए उद्यम पूंजी निधि, सीड फंड योजना, मूल्य निर्धारण सहायता, मेंटरशिप और तकनीकी प्रयोगशाला जैसी विभिन्न योजनाएं शुरू की गईं, एनजीई के साथ 79 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए और 31.03.2025 तक 77 प्राधिकरण जारी किए गए।

एनजीई को भारतीय कक्षीय संसाधन उपलब्ध कराने के अवसर की घोषणा की गई जिसमें 1 संस्था को सफ्ल बोलीदाता के रूप में चुना गया।

IN-SPACe ने भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप्स को क्रमशः नवंबर 2022 और मई 2024 में दो सफ्ल उप-कक्षीय उड़ानें प्रदान की हैं। इसके अलावा, 6 NGE ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए 14 उपग्रहों को कक्षा में प्रक्षेपित किया है।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के लिए अग्रदूत बनने वाले गगनयान अनुवर्ती मिशनों के लिए सरकार द्वारा प्राप्त अनुमोदन के भाग के रूप में - 9 अक्टूबर 2024 को गगनयान कार्यक्रम में संशोधन, एकीकृत कार्यक्रम में निम्नलिखित शामिल हैं:

गगनयान मिशन जिसमें तीन मानवरहित मिशन और एक मानवयुक्त मिशन शामिल हैं

बीएएस के पूर्ववर्ती मिशन जिसमें एक मानवयुक्त मिशन, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) डॉकिंग मिशन, बीएएस-1 मिशन और बीएएस-1 डॉकिंग मिशन शामिल हैं

गगनयान कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति और प्राप्त प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

नए घटनाक्रम:

I. मानव-निर्धारित प्रक्षेपण यान (HLVMx): विकास और भू-परीक्षण पूरा हो गया।

II. कक्षीय मॉड्यूल: क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल के लिए प्रणोदन प्रणालियां विकसित और परीक्षण की गईं। पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन रक्षक प्रणाली (ECLSS) इंजीनियरिंग मॉडल साकार हुआ।

III. क्रू एस्केप सिस्टम (CES): 5 प्रकार की मोटरें विकसित और स्थैतिक परीक्षण की गईं।

IV. अवसंरचना स्थापित: कक्षीय मॉड्यूल तैयारी सुविधा, गगनयान नियंत्रण केंद्र, गगनयान नियंत्रण सुविधा, चालक दल प्रशिक्षण सुविधा, द्वितीय प्रक्षेपण पैड संशोधन।

V. पूर्ववर्ती मिशन: CES के सत्यापन के लिए एक परीक्षण वाहन विकसित किया गया और TV-Dv में उड़ान परीक्षण किया गया। TV-D2 और IADT-01 के लिए गतिविधियां प्रगति पर हैं।

VI. उड़ान संचालन और संचार नेटवर्क: भू-नेटवर्क विन्यास को अंतिम रूप दिया गया। IDRSS-1 फीडर स्टेशन और स्थलीय संपर्क स्थापित किए गए। VII. चालक दल पुनर्प्राप्ति संचालन: पुनर्प्राप्ति परिसंपत्तियों को अंतिम रूप दिया गया। पुनर्प्राप्ति योजना तैयार की गई।

पहला मानवरहित मिशन (Gv): Cx2-G चरण और CES मोटर्स का निर्माण पूरा हुआ। HS200 मोटर्स और CES फ़ोर एंड से लेकर क्रू मॉड्यूल जेटिसनिंग मोटर तक, सभी को एक साथ रखा गया। क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल संरचना का निर्माण पूरा हुआ। क्रू मॉड्यूल चरण-1 की जाँच पूरी हुई।

BAS-1 मिशन की ओर I. विभिन्न प्रणालियों के लिए प्रारंभिक विन्यास और प्रारंभिक समायोजन अध्ययन सहित प्रमुख गतिविधियाँ की गईं।

परमाणु ऊर्जा के माध्यम से भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए रोडमैप

पीआईबी। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए स्वदेशी विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग दोनों का लाभ उठाते हुए निर्धारित विशिष्ट उपायों में एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। प्रमुख कार्यनीतियों में 8780 मेगावाट क्षमता वाले 24 रिएक्टरों पर आधारित स्वदेशी दाबयुक्त भारी जल रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) की निरंतर तैनाती शामिल है। 6600 मेगावाट क्षमता वाले 8 रिएक्टर निर्माणाधीन भी हैं, जिनमें आरएपीपी 8 और जीएचएवीप 1 व 2 जैसे स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर, स्वदेशी तीव्र प्रजनक रिएक्टर (एफ बीआर) पीएफ बीआर, और केकेएनपी 3 व 4 तथा केकेएनपीपी 5 व 6 जैसे विदेशी सहयोग से निर्मित हल्के जल रिएक्टर (एलडब्ल्यूआर) शामिल हैं। इसके अलावा, 10 रिएक्टर परियोजना-पूर्व कार्यकलाप चरण (स्वीकृत) में हैं, जिनसे 7000 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता जुड़ने की उम्मीद है। इनमें कैगा 5 और 6, जीएचएवीपी 3 और 4, चुटका 1 और 2, तथा माही बांसवाड़ा 1 और 2 तथा 3 एवं 4 जैसे पीएचडब्ल्यूआर शामिल हैं। इन परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने के साथ।

अवैध रेत उत्खन्न मामले को लेकर शहर कांग्रेस का बसंतपुर थाने का घेराव आज होगा

पीसीसी से नियुक्त पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, विधायकगण इंदरशाह मंडावी व हर्षिता बघेल की विशेष उपस्थिति में होगा घेराव

राजनांदगांव।

शहर के मोहड़ वार्ड नं. 49 में रेत माफिआओं द्वारा निर्दोष ग्रामीणों पर मारपीट व गोलीकांड जैसी अपराधिक घटना पर शासन-प्रशासन द्वारा कोई डेढ़ माह बीतने के बाद उचित कार्यवाही न करते हुए अब तक मुख्य आरोपी भाजपा नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जिसको लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा नियुक्त जिले के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, मानपुर विधायक इंदरशाह मंडावी व डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता बघेल की विशेष उपस्थिति में शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में गुरूवार 24 जुलाई बसंतपुर थाने का घेराव किया जाएगा। अध्यक्ष श्री छाबड़ा ने कहा कि जब तक मोहड़ गोलीकांड के मुख्य सरगना भाजपा पदाधिकारी संजय सिंह की गिरफ्तारी नहीं होगी तब तक कांग्रेस चुप बैठने वाली नहीं है न्याय के लिए संघर्षरत रहेंगी और इसके खिलाफ लगातार आंदोलन-विरोध करती रहेगी। शहर कांग्रेस महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि 24 जुलाई को दोपहर 1.30 बजे से बसंतपुर थाने का घेराव किया जाएगा। उक्त घेराव में कांग्रेसजनों के साथ-साथ आम जनता से उपस्थिति की अपील की है।

कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

बेहतर विद्युत व्यवस्था, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं उपभोक्ताओं की शिकायतें प्राथमिकता से दूर करने दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभा कक्ष में विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिले में बेहतर विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि बिजली आमजनों से जुड़ी महत्वपूर्ण आवश्यकता है इसलिए संबंधित अधिकारियों को विद्युत से जुड़ी आम उपभोक्ताओं की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करना चाहिए। उन्होंने बार बार के बिजली कटौती पर नाराज़गी जाहिर करते हुए व्यवस्था में सुधार की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि विद्युत व्यवधानों के अटेण्ड करने का टाईम कम से कम हो। कर्मचारीगण तत्काल मौके पर पहुंच कर विद्युत व्यवधान को दुरूस्त करें। कलेक्टर ने कहा कि अघोषित बिजली की कटौती से नागरिकों को काफी परेशानी होती है, जिसे ध्यान में रखते हुए कार्य करें। उन्होंने विद्युत समस्याओं के निराकरण के लिए सभी विकासखंड मुख्यालय सहित अधिक समस्या वाले क्षेत्रों में शिविर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सहायक अभियंता, उप अभियंता को मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने कहा कि आमजनता के साथ ही कृषि, व्यापारिक प्रतिष्ठानों में बिजली आपूर्ति से संबंधित प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। कलेक्टर ने शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के परिसरों में लगे ट्रांसफार्मर जैसे विद्युत उपकरण बच्चों की पहुंच से दूर रहें और इनके आसपास सुरक्षात्मक घेराव हो, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। बैठक में कलेक्टर ने ट्रांसफार्मर, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सब स्टेशनों में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, लाइन एवं पोल शिफ्टिंग सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की और बेहतर कार्ययोजना के साथ उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री अधोसंरना विकास योजना अंतर्गत ग्राम सिवनी व तिलाई में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र के निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जिससे क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे अधिक लोड, ट्रिपिंग और बार-बार की कटौती जैसी समस्याओं से आमजनता को निजात मिलेगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अधीक्षण अभियंता श्री अमर चौधरी, कार्यपालन अभियंता श्री ए के भारद्वाज, श्री आर के चौहान, एच के मंगेश्कर सहित सर्व सहायक अभियंता, उप अभियंता उपस्थित थे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजनांतर्गत 15 दिवसीय ब्युटी पार्लर प्रशिक्षण का शुभारंभ

जांजगीर-चांपा / बालिकाओं को सुरक्षा, संरक्षण, शिक्षा एवं सतत् विकास को बढ़ावा देने एवं देश एवं समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का क्रियान्वन किया जा रहा है। जिसके तहत कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के क्रियान्वयन में ''महिलाओं/बालिकाओं में कौशल विकास करने एवं आर्थिक रूप से सक्षम बनाने'' थीम पर नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत भवन पुटपुरा में 15 दिवसीय ब्युटी पार्लर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 महिलाएं एवं बालिकाएं लाभ ले रहे है। ब्युटी पार्लर प्रशिक्षक के रूप में लैक्मे अकैडमी, बिलासपुर के अनुभवी प्रशिक्षिका सुश्री अंजली अग्रवाल एवं साथी ऐश्वर्या के द्वारा सौंदर्य सेवाओं के अनेक प्रकारों के बारे में प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक प्रशिक्षण देते हुए अन्य जानकारी दी गई। इस दौरान परियोजना अधिकारी श्री विकास सिंह, पर्यवेक्षक श्रीमती श्वेता तिवारी, केन्द्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर सुश्री एच, निशा खान, सायको-सोशल-काउंसलर श्रीमती सरस्वती सोनी, सरपंच ग्राम पंचायत पुटपुरा उपस्थित थे।

क्रेशर खदान से रात्रि में ट्रेक्टर की चोरी

आरोपी को जांजगीर पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / क्रेशर खदान से रात्री में ट्रेक्टर की चोरी के आरोपी को जांजगीर पुलिस ने पकड़ा है । मामले का विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 18 जुलाई 2025 को रात्रि में केशर खदान बिरगहनी से सोनालिका क्रमांक सीजी 29 ए.सी 9701 को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया प्रार्थी ओमप्रकाश पटेल की सूचना रिपोर्ट पर थाना जांजगीर में अपराध क्रमांक 647/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। ट्रैक्टर चोरी की प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में थाना जांजगीर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में चोरी गये ट्रेक्टर एवं अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही थी । इसी क्रम में मुखबीर से सूचना मिला कि आरोपी जोगेंदर सिंह तंवर द्वारा चोरी के ट्रेक्टर को रखा है जिसकी सूचना पर सीएसपी जांजगीर श्रीमती कविता ठाकुर के नेतृत्व में रेड कार्यवाही कर आरोपी को पकड़ा ।

भाजपा के प्रतिरोधी रवैये को प्रदेश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी ईडी की कार्यवाही द्वेषपूर्ण : महेंद्र यादव

राजनांदगांव। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण महामंत्री व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव ने केंद्र सरकार पर विपक्ष की आवाज को दबाने और लोकतंत्र को कमजोर करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लगातार लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन करते हुए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई और उनके पुत्र चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी को उन्होंने अलोकतांत्रिक और राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बताया। श्री यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस षड्यंत्र के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी और भाजपा के हर दमनकारी प्रयास का कड़ा विरोध करेगी।

80 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को शिवरीनारायण पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा /

अस्सी लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को शिवरीनारायण पुलिस ने पकड़ा है । पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्ग दर्शन में जिला पुलिस जांजगीर द्वारा अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में एसडीओपी चांपा यदुमणी सिदार के नेतृत्व में मुखबिर सूचना पर थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा आरोपी विनोद यादव उर्फ बरफ्लाल निवासी धरदेई थाना शिवरीनारायण के कब्जे से 80 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 8000/रूपये को बरामद किया जाकर आरोपी के विरुद्ध अपराध/धारा 34 (2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी शिवरीनारायण निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, सउनि रामप्रसाद बघेल प्रभारी पुलिस सहायता केंद्र राहौद प्रआर जगदीश रत्नाकर आरक्षक दिनेश चौहान, आनंदराम सांण्डे, बेदराम पटेल, कुलदीप खुंटे, विवेक सिंह, राजेश कश्यप का सराहनिय योगदान रहा।

लगाकर भूलना नहीं,उन्हें पेड़ बनने तक संभालना हमारी जिम्मेदारी : सरपंच

राजनांदगांव। कोपेडीयन विलेजर्स वेलफेयर फाउण्डेशन कोपेडीह द्वारा वृक्षारोपण मनगटा चारागाह में किया गया। कोपेडीयन विलेजर्स वेलफेयर फाउण्डेशन कोपेडीह द्वारा वृक्षारोपण कार्य एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत मनगटा चारागाह में वृक्षारोपण कार्य किया गया साथ ही वृक्षारोपण कर उसका संरक्षण करने संकल्प लिया गया वाणी रियल टैलेंट किड्स एकेडमी के केजी से पांचवीं कक्षा तक के बच्चे अपने माता-पिता पालक के साथ उपस्थित रहे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच ग्राम पंचायत मनगटा बैजनाथ सिन्हा, नीलम साहु, ताराचंद सिन्हा,खिलेश साहु ठाकुर राम,खिलेन्द साहु,निलेश साहु,टीकम साहु के साथ शिक्षक शिक्षिकाए एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आरोपी के कब्जे से मादक पदार्थ गांजा 13.335 किलोग्राम ग्राम बरामद

लाखो रूपया का अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार मामला थाना शिवरीनारायण का

जांजगीर चांपा / लाखो रुपए की अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । यह मामला शिवरीनारायण थाना क्षेत्र की है जिसमें संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना शिवरीनारायण पुलिस को मुखबीर सूचना मिला कि एक व्यक्ति बैग में गांजा रखा है शबरी चौक शिवरीनारायण के पास है कि । उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कस्यप एवं स्ङ्हक्कचाम्पा श्री यदुमणि सिदार के नेतृत्व में रेड कार्यवाही कर मौके पर *आरोपी* आदर्श कुमार उर्फ शनि साहू को पकड़ा जिसके कब्जे से गांजा 13.335 कि.ग्राम बरामद किया जाकर आरोपी के विरूद्ध थाना शिवरीनारायण में अपराध क्रमांक 278/2025 धारा एन0डी0पी0 एक्ट के तहत कार्यवाही कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया ।

जिले के 182 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम भगवान श्री रामलला के दर्शन करने हुए रवाना

जनप्रतिनिधियो सहित अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जांजगीर-चांपा / छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में भगवान श्री राम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

इसी तारतम्य में भगवान श्री रामलला दर्शन योजना के तहत बिलासपुर के रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम जाने वाली विशेष ट्रेन के लिए आज विकासखंड जांजगीर, नवागढ़ और बम्हनीडीह के 182 राम भक्तों का जत्था एवं 05 एस्कॉर्ट ऑफिसर को लेकर बस रवाना हुई। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, श्री अंबेश जांगड़े, अध्यक्ष नगर पालिका जांजगीर-नैला श्रीमती रेखादेवा गढ़ेवाल, श्री मोहन यादव, श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण श्री पवन कोसमा, उप संचालक पंचायत श्री अभिमन्यु साहू ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भगवान श्री रामलला दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं में खासा उत्साह था। अयोध्या धाम की यात्रा की शानदार व्यवस्था के लिए श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत शासन द्वारा श्रद्धालुओं को निःशुल्क यात्रा पर ले जाने के साथ ही उनके खान-पान सहित सभी सुविधाएं सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है।

करमरी पंचायत के सरपंच दीनदयाल (दीनू) साहू ने कलेक्टर से लगाई गुहार

राजनांदगांव जिले के अंतर्गत जनपद पंचायत छुरिया, ग्राम पंचायत करमरी के सरपंच दीनदयाल (दीनू) साहू ने कलेक्टर को पत्र प्रेषित करते हुए बताया कि पूर्व माध्यमिक शाला भवन को नवीन बनाने की मांग रखी है।

ग्राम पंचायत करमरी सरपंच दीनदयाल साहू ने आगे बताया कि ग्राम करमरी में पूर्व माध्यमिक शाला भवन वर्ष 1992 में निर्माण हुआ था किंतु आज बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता है जिससे बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाती है 3 वर्ष पूर्व भी बी. र सी. को सूचना दे दी गई थी। विभाग ने 13 लाख का इंस्टीमेंट दिया था लेकिन भवन नहीं बना पाया।

सरपंच दीनदयाल दीनू साहू ने कलेक्टर से निवेदन किया कि बच्चों की भविष्य को देखते हुए अति शीघ्र पूर्व माध्यमिक शाला भवन बनाने की प्रार्थना किया है।

सरपंच दीनदयाल साहू ने बताया कि छुरिया ब्लाक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय करमरी का भवन बदहाल हो चुका है स्कूल भवन का निर्माण 1993 में हुआ था छत पूरी तरह से डैमेज हो गई है बरसात होने पर छत से पानी टपकता है ऐसे में भवन की छत पर ट्रिपाल पॉलिथीन ठक्कर ढककर भी स्कूल का संचालन मुश्किल हो गया है स्कूल भवन जर्जर की जानकारी शिक्षा विभाग व शासन प्रशासन को कई बार दी चुकी है फिर भी कोई सुध नहीं ले रहा है करमरी के सरपंच दीनदयाल साहू ने पंचायत की ओर से ट्रिपाल पॉलिथिन लगाकर बच्चों की पढ़ाई के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है ग्रामीण जनों ने जिला प्रशासन से शीघ्र ही जर्जर स्कूल भवन की मरम्मत करने की मांग की है और नया भवन बनाने की मांग रखी है।

खास खबर

नगर में हिन्दू आक्रोश रैली 26 को, सुभाष चौक से निकलेगी रैली

कोरबा धर्म सेना कोरबा के नेतृत्व में सर्व हिन्दू समाज की ओर से 26 जुलाई को एक विशाल हिन्दू आक्रोश रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली सुभाष चैक निहारिका से दोहर लगभग 1 बजे प्रारंभ होकर जिला कलेक्टर कार्यालय तक जाएगी, जहां कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

जानकारी के अनुसार उक्त रैली का उद्देश्य जिले में बढ़ते धर्मांतरण, लव जिहाद, अवैध प्रार्थना भवन, गौ-हत्या और गौ-तस्करी के खिलाफजनजागरण करना और इन पर रोक लगाने के लिए कड़े कानून की मांग करना है। आयोजकों ने सभी सनातन धर्मावलंबियों से अपील करी है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी सहभागिता दर्ज कराएं।

धर्म सेना और सर्व हिन्दू समाज ने चेतावनी देते हुए आगे कहा हैं कि यदि प्रशासन और शासन ने इस विषय पर शीघ्र कार्यवाही नहीं की तो आगे और बड़े आंदोलन किए जाएंगे।

महाराणा भवन में थेरेपी चिकित्सा शिविर कल से

कोरबा, (संवाददाता)। रामजानकी मंदिर महाराणा प्रताप भवन बुधवारी बाजार में राजपूत क्षत्रिय समाज कोरबा के सौजन्य से 20 से 25 जुलाई तक एक्यूप्रेशर सुजौक, वाइब्रेशन, नेचुरल थेरेपी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें एक्यूप्रेशर रिसर्च ट्रेनिंग ट्रीटमेंट संस्थान जोधपुर राजस्थान के विशेषज्ञ थेरेपिस्ट मुकेश चैधरी व गुरुप्रीत सिंह उपस्थित रहेंगे।

जिनके द्वारा घुटनों का दर्द, मोटापा, ब्लड प्रेशर, शुगर, गैस , कब्ज, सरवाइकल दर्द, कमर दर्द, जोड़ों का दर्द, पुराना सरदर्द, साइटिका और कान, नाक, गले का रोग, लंबाई बढना, लकवा, मस्सा, बवासीर, मानसिक तनाव, डिप्रेशन, हाथ-पैरों में झुनझुनी सहित कई अन्य रोगों का इलाज बिना दवाई के एक्यूप्रेशर सुजौक एवं वाइब्रेशन थेरेपी से किया जाएगा। इस 6 दिवसीय शिविर में आने वालों के लिए 6 दिन की रजिस्ट्रेशन फीस 100 रुपए निर्धारित की गई है। शिविर के आयोजक राजपूत क्षत्रिय समाज के संयोजक ठाकुर आरके सिंह, राज सिंह, अध्यक्ष अवधेश सिंह, उपाध्यक्ष विजय सिंह, सचिव दिनेश सिंह, कोषाध्यक्ष बच्चू सिंह, सह सदस्य छन्नू सिंह, सदस्य जितेंद्र सिंह एवं प्रमेश सिंह ने लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

कौशल तिहार 2025 का आयोजन लाईवलीहुड कॉलेज कोरबा में 21 को

कोरबा कौशल तिहार 2025 जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 21 जुलाई 2025 को लाईवलीहुड कॉलेज कोरबा मे ईलेक्ट्रिकल इन्स्टालेशन, हैल्थ एवं सोशल केयर तथा फील्ड टेकनीशियन ईलेक्ट्रानिक्स कोर्स मे किया जाना है। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रशिक्षित हितग्राही जो वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 अथवा 2025-26 मे उक्त ट्रेड मे प्रशिक्षित हुये हैं अथवा प्रशिक्षणरत हैं तथा 22 वर्ष से 45 वर्ष की आयु समूह के हैं उक्त तिहार मे भाग ले सकते हैं । प्रत्येक ट्रेड से चयनित 02 विजेता राज्य स्तर की प्रतियोगिता मे भाग लेंगे ।

बेनामी लेनदेन मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालय गठित

केंद्र सरकार ने गजट में किया प्रकाशन

बिलासपुर संवाददाता।

राज्य में बेनामी संपत्ति लेनदेन की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने बेनामी लेनदेन प्रतिषेध अधिनियम, 1988 (संशोधित 2016) के तहत विशेष अदालत का गठन कर दिया है। यह अदालत अब पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में दर्ज होने वाले मामलों की सुनवाई करेगी।

गजट में हुआ प्रकाशन, हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिफिकेशन

केंद्र सरकार ने भारत के राजपत्र (गजट) में इसकी अधिसूचना 17 जुलाई 2025 को प्रकाशित की है। इसमें बताया गया है कि बिलासपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से रायपुर के 12वें अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत को छत्तीसगढ़ राज्य के लिए विशेष न्यायालय नामित किया गया है। इससे पहले यह जिम्मेदारी रायपुर के VII ASJ को सौंपी गई थी।

हाईकोर्ट ने इस संबंध में औपचारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। न्याय विभाग, नई दिल्ली की अधिसूचना S.O. 3268(E) के आधार पर यह बदलाव लागू किया गया है।

क्या होती है बेनामी लेनदेन?

बेनामी लेनदेन का मतलब है जब कोई व्यक्ति किसी संपत्ति की खरीद के लिए पैसा देता है, लेकिन संपत्ति किसी अन्य व्यक्ति या काल्पनिक नाम पर रजिस्टर्ड होती है। यह लेन-देन अक्सर काले धन को छुपाने, टैक्स चोरी या कर्ज से बचने के लिए किया जाता है।

दोषी पाए जाने पर क्या है सजा?

बेनामी संपत्ति के मामलों में दोषी पाए जाने पर कानून के तहत यह सजा तय है:

1 से 7 साल तक का कारावास

संपत्ति के बाजार मूल्य का 25% तक जुर्माना **क्यों जरूरी था यह विशेष न्यायालय?** बेनामी संपत्तियों को लेकर बढ़ते मामलों और लंबी कानूनी प्रक्रिया को देखते हुए तेज़, पारदर्शी और केंद्रीकृत कार्रवाई के लिए इस विशेष अदालत का गठन किया गया है। अब पूरे छत्तीसगढ़ से संबंधित बेनामी मामलों की सुनवाई XII ASJ रायपुर की अदालत में होगी। यह कदम राज्य में कालेधन और फर्जी संपत्ति सौदों के खिलाफसरकार की सख्त नीति को दर्शाता है।

संचालक मंडल के चुनाव में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने सभी पदों पर भारी मतों से जीत दर्ज की

कोरबा, (आरएनएस)। एनटीपीसी प्रगति क्लब के संचालक मंडल के चुनाव में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के प्रत्याशियों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सभी पदों पर भारी मतों से जीत दर्ज की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन के लघु भ्राता कौशल देवांगन एवं बीएमएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष (एनटीपीसी) सुरेन्द्र राठौर ने विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। चुनाव परिणामों में महासचिव पद पर जी.पी. सोनवानी, संयुक्त महासचिव पद पर अमर दीपक देवांगन, प्रशासनिक सचिव पद पर अविनाश कुमार और फिल्म सचिव पद पर खागेंद्र कुमार महतो ने शानदार जीत हासिल की।

विजय उत्सव के दौरान पूर्व पार्षद एवं मंडल उपाध्यक्ष संजय कुर्मवंशी, मंडल कोषाध्यक्ष मनोज वर्मा, महामंत्री महेंद्र ठाकुर, महादेव चैहान, मनोज केवट, बीएमएस उपाध्यक्ष भरत साहू, आर.सी. बेन, बरेठ, भोई, परमेश्वर केवट, गोपी भैया, वार्ड संयोजक मुकेश चंद्रा, पूर्व बूथ अध्यक्ष साहू सहित बड़ी संख्या में बीएमएस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे संगठन में खुशी का माहौल है।

3 सप्ताह के लिए खाद बेचने पर लगाया प्रतिबंध

अरपा सहित 19 नदियों के उद्गम स्थल के संरक्षण के लिए हाईकोर्ट ने कमेटी बनाने के शासन को दिये निर्देश

o नदियों के उद्गम स्थल को नाला दर्शाये जाने पर हाईकोर्ट ने शासन को कड़ी फटकार लगाई

(बिलासपुर) अरपा सहित प्रदेश की 19 नदियों के उद्गम स्थल के संरक्षण के लिए हाईकोर्ट ने शासन को कमेटी बनाने के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में याचिकाकर्ता अधिवक्ता अरविंद शुक्ला अधिवक्ता रामनिवास तिवारी द्वारा हाईकोर्ट में अलग अलग याचिका दायर कर अरपा नदी के उद्गम स्थल के संरक्षण में फैल रहे प्रदूषण की रोकथाम एवं अवैध उत्खनन को रोक लगाने के लिए शासन से कठोर कदम उठाने के संबंध में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने इस संबंध में याचिकाकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए गंभीर रूख अपनाते हुए शासन को इस संबंध में नदियों के संरक्षण के लिए

तत्काल कमेटी बनाने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि उद्गम स्थलों को राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर चिन्हांकित किया जाए। शासन को इस संबंध में शपथ पत्र देकर जानकारी विस्तृत रूप से हाईकोर्ट में आगामी सितंबर माह में प्रस्तुत करनी होगी।

ज्ञातव्य है कि इसके अलावा अरपा अर्पण महाअभियान समिति ने भी हाईकोर्ट में लिखित शिकायत कर ये आरोप लगाया था कि शासन द्वारा प्रतिबंध के बावजूद भी अरपा के कई स्थानों में अवैध रूप से उत्खनन कार्य जारी है। याचिकाओं की सुनवाई के दौरान अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट को यह भी बताया कि बारिश के दिनों में अवैध उत्खनन होने की वजह से गहरे गढ्डे में डूबकर अब तक तीन बालिकाओं की मृत्यु हो चुकी है इस पर तीनों याचिकाओं को एक साथ स्वतः संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने संयुक्त रूप से मामले की सुनवाई की। पूर्व की भागवत कमेटी का जिक्र करते हुए छग उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं न्यायमूर्ति विभुदत्त गुरु की डबल बैंच ने सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ताओं की मांग पर कमेटी बनाने का आदेश जारी किया। याचिकाओंकर्ताओं ने इस मामले के प्रस्तुतिकरण के साथ छह साल पहले छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में मुद्रित समाचारों की कटिंग भी लगाई थी इस पर कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि शासन द्वारा मामला संज्ञान में आने के बावजूद भी बरती गई लापरवाही गंभीर चूक की श्रेणी में आती है। नदियों के उद्गम स्थल को नाले के रूप में दर्शाये जाने पर भी शासन को हाईकोर्ट ने जमकर फटकार लगाई।

हाईकोर्ट के अनुसार उद्गम स्थलों को नाले के रूप में दर्शाया जाना आपत्तिजनक है। राजस्व रिकॉर्ड तुरंत दुरुस्त किया जाए।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को यह भी बताया गया कि गौरेला पेंड्रा जिले के कलेक्टर ने अरपा नदी की उद्गम स्थल की पहचान के लिए लायडर सर्वे का प्रस्ताव भेजा था जिसमें लागत करीब 2 करोड़ 60 लाख रुपये थी इस पर मुख्य न्यायाधीश टिप्पणी करते हुए उक्त मांग को खारिज किया।

कृषि अधिकारियों ने जयराम नगर की खाद दुकानों का किया आकस्मिक निरीक्षण

बिलासपुर (संवाददाता)।

कलेक्टर के निर्देश पर खाद की जमाखोरी, कालाबाजारी रोकने और किसानों को गुणवत्ता युक्त और उचित मूल्य पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम लगातार सक्रिय है। टीम ने शाम में भी मस्तूरी ब्लॉक के जयरामनगर स्थित तीन दुकानों का अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने पटेल कृषि केंद्र,अजय ट्रेडर्स और जगन्नाथ कृषि केंद्र में जांच की।जिसमें पटेल कृषि केंद्र में उर्वरक स्कंध प्रदर्शित नहीं करने, स्कंध पंजी संधारण नहीं करने तथा नियमित भंडारण वितरण प्रतिवेदन नहीं भेजने के कारण नोटिस जारी किया गया। अजय ट्रेडर्स में उर्वरक स्कंध प्रदर्शित नहीं करने,बिल बुक में निरीक्षक का सत्यापन कराए बिना जारी करने तथा अनुज्ञप्ति में फार्म ओ का समावेश नहीं करने के कारण नोटिस दिया गया।वहीं जगन्नाथ कृषि केंद्र में एक्सपायर

हुए कीटनाशक का स्कंध पाए जाने तथा अनुज्ञप्ति में प्रिंसिपल सर्टिफिकेट का समावेश नहीं करने के कारण 21 दिन के लिए विक्रय पर प्रतिबंध लगाते हुए सील की कार्रवाई किया गया। निरीक्षण के दौरान उप संचालक पी डी हाथेश्वर, अनिल शुक्ल सहायक संचालक कृषि, अनिल कौशिक सहायक संचालक कृषि, ए के आहिरे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मस्तूरी,उमेश कश्यप ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी और विजय धीरज ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी शामिल थे।

नशे में धुत बेटे ने पिता की डंडे और ईंट से पीट-पीटकर कर दी हत्या

कोरबा कोरबा में नशे में धुत बेटे ने अपने ही पिता की डंडे और ईंट से पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 60 वर्षीय परशराम रोहिदास के रूप में हुई है। आरोपी बेटा शंकर रोहिदास (27) बताया गया है। यह घटना दीपका थाना क्षेत्र के ग्राम झाबर की है। जानकारी के मुताबिक, घटना दीपका कॉलेज के पीछे टिक्कू ढाबा के पास हुई। आरोपी नशे की हालत में घर लौटा और पिता से विवाद करने लगा। बात बढ़ी तो उसने डंडे और ईंट से हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही पिता की मौत हो गई।

पिता-पुत्र में अक्सर होता था विवाद

सूचना मिलते ही दीपका थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पूछताछ में पता चला कि पिता-पुत्र के बीच अक्सर शराब के नशे में गाली-गलौज और झगड़े होते थे। घर में पत्नी और लगभग 19 साल की बेटी है, जो इन झगड़ों से तंग आकर अक्सर घर छोड़ देती थी। घटना के दिन भी आरोपी नशे में था और पिता से विवाद करने लगा। दोनों बाहर चले गए, जहां विवाद बढ़ गया। कुछ देर बाद परशराम को अंडरवियर में पड़ा देखा गया। जब तक लोग पहुंचे, उनकी मौत हो चुकी थी।

थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि ग्राम झाबर के सिरकी मोड़ पर शव मिलने की सूचना पर पुलिस और सीन ऑफक्राइम यूनिट कोरबा की टीम मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में यह साफहुआ है कि मौत ईंट और डंडे से हमला करने की वजह से हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

होंडा शो रूम चोरी का खुलासा : 3.52 लाख

रायगढ़। संवाददाता

शहर के जूटमिल थाना क्षेत्र अंतर्गत शारदा होंडा शो रूम से 3 लाख 72हजार रुपये नकदी चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना के महज कुछ दिनों के भीतर जूटमिल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी गई रकम में से 3.52 लाख रुपये नगद तथा घटना में प्रयुक्त हीरो होंडा सीडी डॉन बाइक जब्त की है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक प्रार्थी पंकज अग्रवाल निवासी चैतन्य नगर रायगढ़ ने 14 जुलाई को थाना जूटमिल में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 13 जुलाई की रात शारदा होंडा शोरूम से ऑफिस में रखी

दिनभर की बिक्री की राशि 3,72,570 रुपये किसी अज्ञात चोर ने लॉकर समेत चोरी कर ली है।

घटना की सूचना पर जूटमिल पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत राव के नेतृत्व में जांच टीम ने शोरूम और आसपास सीसीटीवी कैमरे का सघन जांच किया गया । विवेचना के दौरान शोरूम के स्टाफ से पूछताछ किया जा रहा था जांच के दौरान शक एक कर्मचारी दिनेश साहू पर गया, जो घटना के बाद से न केवल ड्यूटी पर नहीं आया था, बल्कि उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला। उसकी गतिविधियों पर नजर रखने मुखबिर तैनात किए गए। आज 23 जुलाई को सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने ग्राम कोतरलिया में दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी दिनेश साहू पिता बलराम साहू (40 वर्ष) ने चोरी करना स्वीकार कर लिया।

लखपति दीदी नीलम : स्वाद, संस्कृति और सशक्तिकरण की एक प्रेरक कहानी

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से सजी 'गढ़ कलेवा' ने न केवल दिया रोजगार, बल्कि दिखा दी सैकड़ों महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह

कोरबा (संवाददाता)।

कहते हैं परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, अगर इरादे मजबूत हों तो हर मुश्किल राह आसान बन जाती है। जिले की नीलम सोनी ने यह साबित कर दिखाया कि अगर जुनून हो तो साधारण सी जिंदगी भी एक असाधारण मिसाल बन सकती है। घरेलू जिम्मेदारियों में बंधकर बैठने के बजाय उन्होंने बदलाव को चुनाकृखुद के लिए, अपने परिवार के लिए और उन सैकड़ों महिलाओं के लिए जो कभी समाज की सीमाओं में सिमटी थीं। चुनौतियों से लड़कर उन्होंने न सिर्फ अपना आर्थिक और सामाजिक कद ऊँचा किया, बल्कि दूसरों के जीवन में भी उम्मीद की किरण जगाई। आज वे केवल एक सफल उद्यमी ही नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक प्रतीक बन चुकी हैं।

कोरबा जिले के कटघोरा में रहने वाली सोनी के घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। पति अकेले कमाने वाले थे और घर

खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था। अपने बच्चों के भविष्य और अपने आत्मसम्मान के लिए नीलम ने ठान लिया कि कुछ करना है। उन्होंने अपनी बेटी 'श्रिया' के नाम पर 'श्रिया स्व-सहायता समूह' से जुड़कर अपनी नई यात्रा की शुरुआत की। यही वह मोड़ था जहाँ से उन्होंने अपने जीवन को नए रंगों से रंगना शुरू किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (छत्स्ड) के अंतर्गत सरकार द्वारा संचालित 'बिहान' योजना से जुड़कर नीलम सोनी को एक नई दिशा और पहचान मिली। उन्होंने शासन की सहायता से छह लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और कटघोरा में 'गढ़ कलेवा' नामक एक परंपरागत छत्तीसगढ़ी भोजनालय की शुरुआत की। शुरुआत में राह आसान नहीं थी, लेकिन दृढ़ निश्चय और परिश्रम ने उन्हें पीछे मुड़कर देखने का मौका नहीं दिया।

उन्होंने गढ़ कलेवा में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों जैसे चीला, फरा, ठेठरी, खुरमी, अईरसा, चौसेला, तसमई, करी लड्डू, सोहारी आदि के साथ-साथ मिलेट्स (मोटा अनाज) से बने पारंपरिक पकवानों को परोसना शुरू किया। गढ़ कलेवा सिर्फ एक व्यवसाय नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने का एक माध्यम बन गया। यहाँ आने वाले लोगों को न केवल स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी खाना मिलता है, बल्कि वहाँ की सजीवता और पारंपरिक सजावट भी उन्हें अपनेपन का अहसास कराती है। वो बताती हैं कि उन्होंने अपने व्यवसाय के साथ-साथ बांस की कलाकृतियाँ, हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुएँ भी बनाना शुरू किया, जिससे अतिरिक्त आय के साथ-साथ राज्य की लोककला को भी बढ़ावा मिला। आज समूह से लगभग 200 महिलाएं जुड़ी हुई हैं, जिनमें से 20 महिलाएं सीधे गढ़ कलेवा में कार्यरत हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने समूह में पीवीटीजी बिरहोर जनजाति की महिलाओं को भी जोड़ा है, जो पहले आजीविका के अवसरों से वंचित थीं। आज वे भी आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

नीलम जी कहती हैं, ÷आज मेरे लिए सबसे बड़ा संतोष इस बात का है कि मैं अकेली नहीं बढ़ी, मेरे साथ मेरी बहनों का पूरा परिवार भी आगे बढ़ा है।÷ चार साल पहले जिस महिला ने महज आत्मनिर्भर बनने की चाह में कदम बढ़ाया था, आज वह हर महीने लगभग 1.5 लाख रुपये का टर्नओवर करती हैं। उनका सालाना टर्नओवर अब 12 लाख रुपये के करीब पहुंच चुका है। उनका यह सफर इस बात का सजीव उदाहरण है कि महिलाएं यदि ठान लें तो हर क्षेत्र में बदलाव की मिसाल बन सकती हैं।

छत्तीसगढ़ शासन, बिहान मिशन और विशेषकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व जिला प्रशासन कोरबा का धन्यवाद देते हुए कहा, ÷यदि शासन की योजनाएं और अधिकारियों का सहयोग न मिला होता, तो मैं और मेरे जैसी सैकड़ों महिलाएं शायद अभी भी घर की चार दीवारों तक सीमित रहतीं। बिहान ने हमें न केवल आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि अपने सामर्थ्य पर विश्वास करना भी सिखाया।÷ अब नीलम चाहती हैं कि उनका गढ़ कलेवा राज्य के हर जिले में फैले, ताकि स्थानीय व्यंजनों और छत्तीसगढ़ी संस्कृति को देशभर में पहचान मिले। वह अपने व्यवसाय को एक मॉडल बनाकर अन्य महिलाओं को ट्रेनिंग भी देना चाहती हैं, ताकि और भी ÷लखपति दीदी÷ इस राज्य से निकलें और आत्मनिर्भर भारत के सपने को सच करें।

कटघोरा की चैपाटी और पुष्पवाटिका निर्माण में भारी घोटाला, डीएमएफफंड की खुली लूट

कोरबा, नगर पालिका क्षेत्र में हाल ही में लोकार्पित चैपाटी और पुष्पवाटिका अब भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का प्रतीक बनती जा रही हैं। 10 जुलाई को बड़े ही धूमधाम से उद्घाटन किए गए इन दोनों प्रोजेक्ट्स की जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

नगरपालिका द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, चैपाटी पर 19.41 लाख रुपये और पुष्पवाटिका पर 62.69 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन जब इन स्थानों पर जाकर स्थिति का जायजा लिया गया तो बेंच तक नहीं, स्ट्रीट लाइट अधूरी, फव्वारे गायब और निर्माण कार्य अधूरा पाया गया। पुष्पवाटिका की हालत और भी खराब है कृ पौधों के नाम पर गड्ढे, मिट्टी और कूड़ा नजर आता है।

खनिज प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए बनाए गए कडथ् फंड को अफसरों और ठेकेदारों ने लूट का जरिया बना लिया है। आरोप हैं कि निर्माण कार्य में 30: से 50: तक कमीशन की डील तय हुई, जिसमें अफसरों से लेकर ठेकेदारों और कार्यालय तक पैसा बांटा गया। दावा किया गया था कि चैपाटी में हर सुविधा होगी कृ बैठने की अच्छी व्यवस्था, सुंदर टाइल्स, जल फव्वारे और रोशनी की पूरी व्यवस्था। मगर सच्चाई ये है कि स्टील के कुछ अधूरे स्ट्रक्चर और अधपकी टाइल्स के अलावा वहां कुछ नहीं है।

R.O. No.44648/59

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)